राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 15 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–79 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए प्रतिनिधियों का ऑनलाइन होगा मतदान

इंटरनेशनल डेस्क। कांग्रेस को अब जल्द ही कागजी सदस्यता अभियान से छुटकारा मिलने वाला है। इस साल अगस्त और सितंबर में होने वाले राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए चुनावी कॉलेजियम गठन के लिए ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) सदस्यों और प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) प्रतिनिधियों का चुनाव ऑनलाइन होगा। जानकारी के मुताबिक इसके लिए कांग्रेस ने पहली बार पारंपरिक पेपर-आधारित सदस्यता को एक सत्यापित ऐप के माध्यम से ई-सदस्यता में बदल दिया गया है। अब उसी ई के माध्यम से सदस्यों के बीच कांग्रेस एक ऑनलाइन चुनाव आयोजित करने की योजना बना रही है। कांग्रेस के सात लाख सक्रिय सदस्य जो 50 से अधिक नए सदस्यों का नामांकन करते हैं, वे एआईसीसी सदस्य और पीसीसी प्रतिनिधि बनने के लिए चुनाव लड़ने के पात्र होंगे। ऐसा माना जा रहा है कि तीन लाख से अधिक नामांकन कर्ताओं के इस पात्रता मानदंड को पूरा करने की उम्मीद है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश को छोड़ कर सदस्यता अभियान 15 अप्रैल को समाप्त होगा। चूंकि यूपी में चुनाव के चलते वहां सदस्यता के लिए थोड़ा ज्यादा वक्त दिया जा सकता है। इस अभियान के तहत कांग्रेस की सदस्यता छह करोड़ लोगों से ऊपर लेने की उम्मीद है। अभियान की निगरानी मधुसूदन मिस्त्री के नेतृत्व वाली केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण द्वारा प्रवीण चक्रवर्ती के नेतृत्व वाले एआईसीसी डाटा एनालिटिकल विभाग के समन्वय में प्रदेश रिटर्निंग ऑफिसर (पीआरओ) और पार्टी नामांकन कविताओं के माध्यम से की जा रही है। यह पता चला है कि ई-सदस्यता के साथ-साथ पेपर प्रारूप में एकत्र की गई सदस्यता को हाल ही में डिजिटल स्वरूपों में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है।

बिना दोषी ठहराए किसी का मकान तोड़ने का अधिकार तो मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के पास भी नहीं, कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीरवार को कहा कि देश में कानून और संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और लोकतंत्र खतरे में है। गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा की भाजपा के लोग चुनाव जीतने के लिए हथकंडे अपना रहे हैं और देश के लोगों को इनके हथकंडों को समझना होगा। उल्लेखनीय है कि भाजपा युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या करौली शहर में हाल में हुई हिंसा व आगजनी की घटना के पीड़ितों से मिलने के लिए बुधवार को राजस्थान आए थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक लिया था। बाद में सूर्या ने राज्य सरकार पर कई तरह के आरोप लगाए। इस बारे में पूछे जाने पर गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि तेजस्वी सूर्या यहां किस काम के लिए आए .. करौली में जो कुछ भी हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी उसकी हम सब ने निंदा की। उस वक्त भी हमने कहा था कि ये लोग आग लगाने का काम करते हैं। उसके बाद इन लोगों ने करौली को मुद्दा बना लिया। गहलोत ने कहा कि करौली की घटना के बाद हमने दो दिन पुलिस अधिकारियों से बैठक की और कहा कि करौली जैसी और घटना नहीं होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री संग्रहालय :

पंडित नेहरू के सामने मोदी की फोटो, मूर्ति भवन परिसर

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयंती के मौके पर यहां स्थित तीन मूर्ति भवन परिसर में नवनिर्मित प्रधानमंत्री संग्रहालय का उद्घाटन किया। इस संग्रहालय का उद्घाटन आजादी के 75 साल के उपलक्ष्य में देश भर में मनाए जा रहे ''आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान किया गया है। यह संग्रहालय स्वतंत्रता के पश्चात देश के प्रधानमंत्रियों के जीवन और उनके योगदान के माध्यम से लिखी गई भारत की गाथा का वर्णन करता है। संग्रहालय में सभी प्रधानमंत्रियों की तस्वीर लगाई गई हैं। इसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू के ठीक सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर है। प्रधानमंत्री संग्रहालय दिल्ले ली के तीन मूर्ति परिसर में निर्मित है और इसमें देश के 14 पूर्व प्रधानमंत्रियों के जीवन की झलक के साथ साथ राष्ट्रनिर्माण में उनका योगदान दर्शाया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के मुताबिक, मोदी की परिकले पना से मार्गदर्शित यह संग्रहालय देश के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के योगदान के प्रति सम्मान और श्रद्धांजलि है। इस संग्रहालय में कुल 43 दीर्घाएं हैं। नवीनता और प्राचीनता के मिले-जुले रूप का प्रतीक यह संग्रहालय पूर्व तीन मूर्ति भवन के खंड-एक को नव-निर्मित भवन के खण्े ड-दो से जोड़ता है। दोनों खण्े ड का कुल क्षेत्रफल 15,600 वर्ग मीटर से अधिक है। यह संग्रहालय स्वतंत्रता संग्राम के प्रदर्शन से शुरू होकर संविधान के निर्माण तक की गाथा बताता है कि कैसे हमारे प्रधानमंत्रियों ने विभिन्न चुनौतियों के बावजूद देश को नई राह दी और देश की सर्वांगीण प्रगति को सुनिश्चित किया। पीएम मोदी ने देश के सभी प्रधानमंत्रियों के जीवन एवं योगदान पर आधारित प्रधानमंत्री संग्रहालय का आज यहां उद्घाटन किया और इसका सबसे पहला टिकट खरीद कर संग्रहालय में प्रवेश किया। पीएम मोदी ने संग्रहालय के टिकट का खुद भुगतान किया और टिकट खरीद कर संग्रहालय में गए। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक वीडियो में मोदी टिकट खरीदते दिखाई दे रहे हैं। संग्रहालय के टिकट की ऑनलाइन माध्यम से खरीद 100 रुपए की और ऑफलाइन मोड में 110 रुपए है।

वित्त मंत्रालय का बड़ा बयान, भारत जल्द बनेगा 5,000 अरब डॉलर की इकॉनोमी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष के बजट में पूंजी व्यय पर जोर से विनिर्माण को गति मिलेगी और कर राजस्व संग्रह बढ़ेगा। इससे भारत 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर रहेगा। मंत्रालय के अनुसार, बीते वित्त वर्ष 2021-22 में कर राजस्व रिकॉर्ड 34 प्रतिशत बढ़कर 27.07 लाख करोड़ रुपये रहा। यह कोविड-19 की तीन लहरों के बाद अर्थव्यवस्था में तीव्र पुनरुद्धार को दर्शाता है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''केंद्र सरकार का भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनाने पर जोर है और इस दिशा में कई कदम उठाये गये हैं। यह हाल के वर्षों में देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि में दिखता है। ''इन उपायों से सरकारी खजाने के लिये राजस्व संग्रह बढ़ा है। साथ ही भारत इससे 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के रास्ते पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक आर्थिक ताकत बनाने की परिकल्पना की थी। देश का जीडीपी 2021-22 में लगभग 3,000 अरब डॉलर होने का अनुमान है। मंत्रालय ने कहा कि कोविड -19 के कारण जरूर कुछ समय के लिये अर्थव्यवस्था को झटका लगा। लेकिन सरकार ने हाल के वर्षों में बाजार मूल्य पर जीडीपी वृद्धि दर को 10 प्रतिशत से ऊपर कायम रखा है। जीएसटी (माल एवं सेवा कर) देश के जीडीपी को आगे बढ़ाने को लेकर एक बड़ा कदम रहा है। बयान के अनुसार, ''वित्त वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में पूंजी व्यय पर जोर के साथ आने वाले वर्षों में घरेलू विनिर्माण में तेजी आएगी और रोजगार बढ़ेगा। इससे कर संग्रह और बढ़ेगा। कुल कंपनी कर संग्रह 2021-22 में 8.6 लाख करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 6.5 लाख करोड़ रुपये था। मंत्रालय के अनुसार, यह दिखाता है कि बिना छूट के साथ कम दर वाली नई सरलीकृत कर व्यवस्था सफल रही है।

केजरीवाल का बड़ा ऐलान- भीम राव अंबेडकर के नाम पर होंगे दिल्ली के सभी स्कुल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के नाम

नेशनल डेस्क।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि, दिल्ली सरकार के स्पेशलाइज्ड स्कूल ऑफ एक्सीलेंस को अब भीमराव आंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के नाम से जाना जाएगा। केजरीवाल ने यह बात भीमराव आंबेडकर जयंती के मौके पर ऐसे ही एक स्कूल की शुरुआत के कार्यक्रम के दौरान कही। केजरीवाल ने कहा, बाबा साहब आंबेडकर ने शिक्षा पर सबसे ज्यादा जोर दिया और उन्हें श्रद्धांजलि देने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है कि हमारे स्कूलों का नाम उनके नाम पर रखा जाए। स्कूलों का नाम बदलने का फैसला सरकार ने मंगलवार को हुई राज्य नामकरण प्राधिकरण की बैठक के दौरान लिया।

शहर में इस तरह के 31 स्कूल हैं, जिनमें से 30 का नाम डॉ बीआर आंबेडकर के नाम पर रखा जाएगा, जबकि सशस्त्र बल तैयारी स्कूल का नाम क्रांतिकारी भगत सिंह के नाम पर रखा जा चुका है।

दिल्ली के स्कूलों में फिर कोरोना की दहशत, स्टूडेंट और टीचर पाए गए पॉजिटिव, पैरेंट्स की बढ़ी चिंताएं

एजुकेशन डेस्क। देश में एक बार फिर कोरोना के मामलों ने डराना शुरू कर दिया है। कई राज्यों में जहां कोविड-19 के मामलों में कमी है तो कुछ राज्यों में कोरोना ने अपने पैर पसारने शुरू कर दिया है। इसी बीच, दिल्ली के प्राइवेट स्कूल में कोविड-19 की चपेट में स्कूल टीचर और स्टूडेंट्स आ गए हैं। जिसके बाद अन्य छात्र-छात्राओं को घर भेज दिया गया है। वहीं, आप विधायक आतिशी का कहना है कि हम मामले पर पूरी सावधानी के साथ नजर बनाए हुए हैं। इससे पहले, दिल्ली से सटे नोएडा में 15 बच्चे कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं, जिसके बाद पैरेंट्स की चिंताएं बढ़ने लगी हैं। वहीं, नोएडा प्रशासन कुल 68 सैंपल्स को जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजने जा रहा है। गाजियाबाद और स्े कूलों में छात्रों और शिक्षकों के कोरोना संक्रमित मिलने के बाद कई स्कूलों को बंद किया जा चुका है। कुल 23 छात्रों के कोरोना की चपेट में आने के बाद नोएडा के 3 स्े कूल ऑनलाइन मोड में शिफ्ट हो गए हैं। दिल्ली में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 299 नए मामले सामने आए और संक्रमण दर 2.49 प्रतिशत रही। दिल्ली में कोविड-19 संक्रमण दर एक सप्ताह में 0.5 प्रतिशत से बढ़कर 2.70 प्रतिशत हो गई है। चिकित्सकों का कहना था कि दैनिक संक्रमण दर कम है, लिहाजा घबराने वाली स्थिति नहीं है। हालांकि उन्होंने ऐहतियात न बरतने को लेकर आगाह किया था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बुधवार को संक्रमण के 299 नए मामले सामने आए, जो सोमवार को आए 137 मामलों की तुलना में कहीं अधिक हैं।

धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ देवी मीनाक्षी-भगवान सुंदरेश्वर का दिव्य विवाह, लाखों श्रद्धालु बने गवाह

नेशनल डेस्क। मदुरै का विश्व प्रसिद्ध श्री मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर में गुरुवार को भगवान सुंदरेश्वर के साथ देवी मीनाक्षी का प्रसिद्ध थिरुकल्याणम दिव्य विवाह पूरे धार्मिक उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस दिव्य विवाह के दौरान मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया। दो भट्टर (पुजारी) ने भगवान सुंदरेश्वर की मूर्ति के हाथों पर हीरे जड़ित थाली में मंगलसूत्र को रखा और फिर इसे देवी मीनाक्षी की मूर्ति के चारों ओर वैदिक मंत्रोच्चार करते हुए घुमाया गया। यहां चल रहे 12-दिवसीय वार्षिक चिथिराई ब्रह्मोत्सवम उत्सव के एक हिस्से के रूप में यह दिव्य विवाह आयोजित किया गया। इस दिव्य विवाह के बाद काफी संख्या में महिला श्रद्धालु अपने मंगलसूत्रों को बदलती हैं। दिव्य विवाह के बाद देवी मीनाक्षी और भगवान सुंदरेश्वर को सार्वजनिक दर्शन के लिए थिरुकल्याण मंडपम में रखा गया और फिर चांदी के हाथी पर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। कोविड महामारी के कारण पिछले दो सालों से इस कार्यक्रम को देखने के लिए देश-विदेश के श्रद्धालु नहीं आ पा रहे थे लेकिन इस साल महामारी में कमी आने के बाद भक्तों की संख्या काफी अधिक देखी गई।

जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों की नई चाल, असंदिग्ध लोगों के मोबाइल डेटा का कर रहे हैं इस्तेमाल

श्रीनगर। कश्मीर में आतंकवादियों के काम करने के नये तौर-तरीकों के प्रति आगाह करते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आपका मोबाइल फोन आपके हाथ में हो सकता है लेकिन कोई अन्य शख्स और संभवतः कोई आतंकवादी या उसका हमदर्द उसकी 'हॉटस्पॉट सुविधा का लाभ उठा रहा हो सकता है। आतंकवादियों और जमीन पर काम कर रहे उनके गुर्गों के सुरक्षा रडार से बचने के लिए इस्तेमाल नये तौर-तरीके पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों ने कहा कि सिम कार्ड का गलत उपयोग या किसी आतंकवादी को 'हॉटस्पॉट के जरिये इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने से उस कार्ड के धारक को जांच और गिरफ्तारी तक का सामना करना पड़ सकता है। एक अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं होने की शर्त पर कहा कि सिम कार्ड के उपयोगकर्ता इस तथ्य की आड़ में बच नहीं सकते कि वे खुद आतंकवाद में लिप्त नहीं हैं और उनके सिम कार्ड का आतंकवादियों ने सीधे-सीधे इस्तेमाल नहीं किया है। किसी के सिम कार्ड को 'हॉटस्पॉट के माध्यम से इस्तेमाल होने देना पुलिस के अनुसार प्रत्यक्ष जवाबदेही की बात है।

एक के बाद एक 14 ट्वीट कर फडणवीस का एनसीबी पार्टी पर निशाना, शरद पवार पर लगाएं गंभीर आरोप

नेशनल डेस्क।

अनुच्छेद 370, फिल्म 'कश्मीर फाइल्स और इशरत जहां मामले समेत अनेक मुद्दों पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार के बयानों को लेकर उन पर सीधा हमला बोलते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि पवार की पार्टी तुष्टीकरण की राजनीति में लगी है और सांप्रदायिक आधार पर समाज का ध्रुवीकरण कर रही है। बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती के मौके पर 14 ट्वीट के साथ फडणवीस ने पवार पर भारतीय संविधान के रचयिता की इच्छाओं और मूल्यों के विपरीत काम करने का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने आरोप लगाया कि पवार ने सबसे पहले 'हिंदू आतंकवाद शब्द का उपयोग किया था। पवार ने हाल में फिल्म 'कश्मीर फाइल्स की आलोचना की थी। उनके इस बयान का जिक्र करते हुए फडणवीस ने कहा कि यह आलोचना पूरी तरह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दशकों के तुष्टीकरण की नीति तथा सांप्रदायिक आधार पर समाज को बांटने के ट्रैक रिकॉर्ड के अनुरूप है। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने पवार और राकांपा के खिलाफ अपने आरोपों की पुष्टि के लिए अनेक खबरों के लिंक भी डाले। उन्होंने कुछ खबरों के हवाले से कहा कि पवार दावा कर रहे हैं कि महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक का नाम भगोड़े अपराधी दाऊद इब्राहिम के साथ इसलिए जोड़ा जा रहा है क्योंकि वह मुस्लिम हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन मामले में पिछले महीने मलिक को गिरफ्तार किया था। जिक्र किया जिसके अनुसार पवार ने कहा कि इशरत जहां बेगुनाह है। इशरत जहां को गुजरात में 2004 में कथित फर्जी मुठभेड़ में तीन अन्य लोगों के साथ मार दिया गया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने एक और खबर का जिक्र किया जिसके अनुसार पवार ने कहा कि इशरत जहां बेगुनाह है। इशरत जहां को गुजरात में 2004 में कथित फर्जी मुठभेड़ में तीन अन्य लोगों के साथ मार दिया गया था। चारों पर गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की हत्या की साजिश रचने का आरोप था। फडणवीस ने कहा कि 2012 में जब महाराष्ट्र में कांग्रेस और राकांपा सत्ता में थी तो मुंबई के बीचों-बीच आजाद मैदान में हिंसा की शर्मनाक घटना घटी थी। उन्होंने कहा कि अमर जवान ज्योति को अपवित्र किया गया, लेकिन राकांपा ने रजा एकेडमी को लेकर नरम रुख रखा और इसके बाद मुंबई के पुलिस आयुक्त का ही तबादला कर दिया गया। फडणवीस ने कहा, ''राकांपा की महाराष्ट्र में मुस्लिम आरक्षण लाने की बड़ी योजना है जबकि हमारे संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। कितना शर्मनाक है कि संवैधानिक मूल्यों को लेकर इस तरह वोट बैंक की राजनीति होती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पवार ने 'कश्मीर फाइल्स फिल्म की आलोचना की क्योंकि यह उनके छद्म धर्मनिरपेक्ष एजेंडा को रास नहीं आ रही। उन्होंने कहा, ''कश्मीरी पंडितों की परेशानियों की वास्तविक कहानी पर आधारित फिल्म से किसी को क्या मतलब?

कोविड को लेकर दिल्ली सरकार ने स्कूलों के लिए जारी की नई गाइडलाइन, सख्ती से करना होगा पालन

नेशनल डेस्क।

दिल्ली में कोरोना ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। दिल्ली में पिछले दिनों से कोविड के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। दिल्ली के स्कूलों से भी कोरोना के मामले सामने आए हैं। इसी को देखते हुए दिल्ली सरकार ने स्कूलों के लिए कोरोना की नई गाइडलाइन जारी की हैं। दिल्ली सरकार ने कहा कि कोरोना का मामला सामने आने पर स्कूलों को प्रशासन को सूचित करना होगा। सरकार ने जोर देते हुए कहा कि कोरोना गाइडलाइन का सख्ती से पालन होना चाहिए। दिल्ली सरकार ने कहा कि कोरोना के मामले आने पर स्कूल को बंद करना होगा। सरकार ने कहा कि स्कूव विंग या पूरा स्कूल बंद होना चाहिए। इससे पहले दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा, ''कोविड-19 के मामलों में मामूली वृद्धि हुई है। लेकिन अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं हुई है, इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्क रहें। सिसोदिया ने कहा, ''हमें कोविड-19 के साथ जीना सीखना होगा। हम लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे बीते दिनों में कुछ स्कूलों से खबर मिली है कि अभिभावकों ने अपने बच्चों के संक्रमित होने की जानकारी दी है। शिक्षा विभाग इस संबंध में कल स्कूलों के लिए दिशा-निर्देश जारी करेगा। गौरतलब है कि दिल्ली में बुधवार को कोविड-19 के 299 नए मामले आए, जो पिछले दो दिनों से 118 प्रतिशत ज्यादा हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमण दर भी बढ़कर 2.49 प्रतिशत हो गई है।

बच्चों को माता-पिता और दादा-दादी का प्यार व स्नेह पाने का अधिकार है: बंबई उच्च न्यायालय

नेशनल डेस्क। बंबई उच्च न्यायालय ने कहा है कि बच्चों को माता-पिता, दोनों का और दादा-दादी का प्यार व स्नेह पाने का अधिकार है तथा यह उनके (बच्चों के) व्यक्तिगत विकास एवं कल्याण के लिए आवश्यक हैं। अदालत ने पुणे के एक व्यक्ति और उसके माता-पिता को उसके(व्यक्ति के) बच्चों से मिलने की अनुमति देते हुए यह कहा। न्यायमूर्ति अनुजा प्रभुदेसाई की एकल पीठ ने बुधवार को यह आदेश जारी किया, जिसकी प्रति बृहस्पतिवार को उपलब्ध कराई गई। न्यायाधीश ने इस बात का जिक्र किया कि जिस माता-पिता को बच्चों का संरक्षण करने का अधिकार प्राप्त नहीं है, उन्हें अपने बच्चों के साथ कुछ महत्वपूर्ण समय बिताने और उनके साथ का आनंद उठाने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति प्रभुदेसाई ने कहा, ''बच्चों को माता-पिता, दोनों का और दादा-दादी का प्यार व स्नेह पाने का अधिकार है। यह बच्चों के व्यक्तिगत विकास एवं संपूर्ण कल्याण के लिए जरूरी है। अदालत ने व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि उसे जून 2020 से अपने बच्चों से नहीं मिलने दिया गया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अजिंक्या उदाने ने अदालत से कहा कि बच्चों के दादा-दादी अस्वस्थ हैं और इसलिए वह अपने पोते से मिलना चाहते हैं। उदाने ने अदालत से कहा कि उच्च न्यायालय के मार्च 2022 के आदेश के बावजूद बच्चों की मां ने उनके पिता को उनके जन्मदिन पर उनसे मिलने नहीं दिया। अदालत ने व्यक्ति को अपने बच्चों से दो दिन मिलने की अनुमति दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार अपने हृदय में उस दिव्य चिंगारी, जिसे अंतरात्मा कहते है, को जिंदा रखने के लिए मेहनत करो। - जोर्ज वाशिंगटन

संपादकीय

साजिश पर नजर

माहौल ऐसा बनता दिख रहा है, मानो कुछ पश्चिमी देश भारत पर भी शिकंजा कसना चाहते हैं, क्योंकि भारत रूस की खुलकर आलोचना नहीं कर रहा है। यह सूचना अगर सोची-समझी अफवाह भी है, तब भी हमारे लिए चिंता की बात है कि जर्मनी यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस के खिलाफ न बोलने पर भारत को जी-7 की बैठक से दूर रखने पर विचार कर रहा है। भारत को पूरी गंभीरता से ऐसी सूचनाओं या कूटनीतिक साजिशों पर नजर रखनी चाहिए। अमेरिका सहित पश्चिम के कुछ देश किसी न किसी बहाने भारत को रूस के खिलाफ खड़ा करने के लिए दुष्प्रेरित कर रहे हैं। ऐसी ही कोशिश अमेरिका ने भी की है और जर्मनी के चंद कूटनीतिज्ञों के दिमाग में भी ऐसा कुछ चल रहा है, तो चौंकना नहीं चाहिए। दरअसल, जर्मनी 26 से 28 जून तक ग्रुप-7 देशों की बैठक की मेजबानी करने वाला है और भागीदारों की सूची में भारत का भी नाम है। क्या जर्मनी इस सूची को अब संशोधित करेगा? क्या वह भारत के खिलाफ जाएगा? क्या उसके पास भारत के खिलाफ जाने का पुख्ता आधार है? ध्यान देने की बात है कि भारत को कठघरे में खड़ा करने के लिए ऐसा ही पुख्ता आधार अमेरिका को खोजने से भी नहीं मिल रहा है। वैसे लगे हाथ और समय रहते जर्मनी से यह सूचना भी सामने आ गई है कि भारतीय प्रधानमंत्री को न बुलाने की कोई योजना नहीं है। दरअसल, आगामी तमाम अंतरराष्ट्रीय बैठकों को चंद यूरोपीय देश रूस के खिलाफ इस्तेमाल करने वाले हैं। अत- अगर वह भारत को ऐसी बैठकों में शामिल न करने की रणनीति अपनाएं, तो सावधान रहना चाहिए। भारत को किसी भी रूप में किनारे किए जाने या नजरंदाज करने की साजिश को नाकाम करते चलना होगा और यह काम भारतीय विदेश मंत्रालय बेहतर ढंग से कर भी रहा है। हमारे अपने हित हैं और हम किसी भी विदेशी ताकत या गठजोड़ के सामने झुक नहीं रहे हैं, तो यह हमारी मजबूती का प्रमाण है। हम न पहले रूस की साम्राज्यवादी कोशिशों के साथ थे और न हमने यूक्रेन के सत्ता प्रतिष्ठान से युद्ध या हमले के समय समर्थन देने का कोई वादा किया था। बड़े अफसोस की बात है, यूक्रेन के राष्ट्रपति खुलकर जिन देशों की आलोचना कर रहे हैं, वही देश भारत पर अपनी खीज निकाल रहे हैं। रूस को रोकने के लिए अभी भी यूरोपीय देश कई कदम उठा सकते हैं, लेकिन उन्हें अपने निहित स्वार्थ की ज्यादा चिंता है। वे अपनी जरूरतों से समझौता नहीं कर सकते, लेकिन भारत पर समझौते के लिए दबाव डाल रहे हैं। यह बहुत दुख और शर्म की बात है, तीसरे विश्व युद्ध का खतरा दहलीज पर खड़ा दिख रहा है, लेकिन अनेक पश्चिमी देश आज भी न्यायपूर्ण ढंग से नहीं सोच पा रहे हैं। आतंकवाद, अशिक्षा, स्वास्थ्य या गरीबी के मोर्चे पर भी इन देशों का रुख पक्षपातपूर्ण रहा है। इनके नियम-कायदे अपने लिए कुछ होते हैं और दूसरी या तीसरी दुनिया के लिए कुछ और। अमेरिका का ही अगर ताजा उदाहरण लें, तो सिखों पर वहां रह-रहकर हमले हो रहे हैं, लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्री ने भारत में मानवाधिकार पर चिंता का इजहार कर दिया। भारत कतई युद्ध के पक्ष में नहीं है, यह बात वह हर मंच पर पूरी साफगोई से रख चुका है। हम अपने पुराने आजमाए हुए मित्र रूस के व्यवहार से दुखी हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम किसी शुद्ध स्वार्थ-प्रेरित देश के कहने में आकर रूस से झटके में मुंह मोड़ लें।

आज के कार्टून

दुर्भावना

श्रीराम शर्मा आचार्य/ संसार-दुख-सागर है'-ऐसी मान्यता रखने वाले प्राय- वे ही लोग हुआ करते हैं, जो अपनी दुर्बलताओं के कारण संसार में सुख-दर्शन नहीं कर पाते। उनकी यह मान्यता ही बतलाती है कि वे कितने दुखी रहने वाले व्यक्ति होंगे। ऐसे व्यक्तियों के लिए संसार की प्रत्येक क्रिया-प्रतिक्रिया, प्रत्येक परिस्थिति तथा घटना दुःखदायी ही होती है-और होनी भी चाहिए। जिसका विश्वास बन चुका है कि संसार दुःख-सागर है, उसे इस दुनिया में सिवाय दुःख के और क्या हाथ आ सकता है? ऐसी निराशापूर्ण भावना बना लेने वाला जीवन भर रोने, झींखने, चिढ़ाने और कुढ़ाने के अतिरिक्त और कर ही क्या सकता है? दूसरे को हंसते, खेलते, खाते-पीते, बोलते, बात करते और प्रसन्न रहते देख कर ईर्ष्या करता और मन ही मन जलता रहता है। ऐसे व्यक्ति को औरों का हंसना, बोलना अपने पर व्यंग्य मालूम होता है, अपना उपहास-सा प्रतीत होता है। हंसना, बोलना ही नहीं दूसरों का रोना-धोना भी उसे अच्छा नहीं लगता। किसी का हंसना, प्रसन्न होना तो ईर्ष्या के कारण नहीं भाता और खुद के दुःख को उत्तेजित करने के कारण किसी के रोने-धोने में भी बुरा मानता है। निःसंदेह, ऐसे दुःख-प्रवण व्यक्तियों का जीवन भयंकर अभिशाप बन जाता है। दुःखों के कारणों में दुर्भावनाएं भी बहु बड़ा कारण है। दुर्भावनाएं भयंकर रोग की तरह हैं। जिसको लग जाती हैं, जिसके हृदय में बस जाती हैं, उसे कहीं का नहीं रखतीं। दुर्भावना वाले व्यक्ति का जीवन प्रति क्षण दुःखी रहता है। दुर्भावनाओं में अधिकतर दूसरों का अहित करने का ही भाव निहित रहता है। दुर्भावनाओं वाला व्यक्ति किसी का थोड़ा-सा भी अभ्युदय नहीं देख सकता। किसी के अभ्युदय से अपनी कोई हानि न होने पर भी ऐसा व्यक्ति प्रयत्न करता है कि अमुक की उन्नति न हो, विकास न हो, उसे कोई सफलता न मिले। किंतु जो प्रयत्नशील है, परिश्रम कर रहा है उसकी उन्नति तो होती है। ऐसी दशा में रोड़े अटकाने, कोसने अथवा चाहने पर भी जब किसी की उन्नति नहीं रोक पाता तो दुर्भावी व्यक्ति के लिए जलने, कुढ़ने तथा दुःखी होने के अतिरिक्त और कोई चारा ही नहीं रह जाता। इस प्रकार दुर्भावना रखने वाला व्यक्ति दुहरा दुःख पाता है- एक तो किसी का अहित चाहने पर भी उसकी असफलता तथा आत्म-प्रतारणा दंडित करती है, दूसरे जिसका उसने अहित चाहा उसकी उन्नति उसे दिन-रात चैन न लेने देगी।

यूकेन पर भारतीय रणनीति की तार्किकता

राजेश रामचंद्रन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बीते बृहस्पतिवार को बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई पर 'द ट्रिब्यून' के लेखों के श्रृंखलाबद्ध संग्रह 'हीरोज़ ऑफ 1971' का विमोचन किया। 1971 का युद्ध नया सूत्रपात करने वाली घड़ी थी, जिसने दुनिया के नक्शे में नया मुल्क उकेरकर एक जीवंत देश बना डाला। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के इतिहास में सबसे ज्यादा सफल मानवीय दखलअंदाजी की भूमिका पर भारत का नाज़ करना जायज है। 'द ट्रिब्यून' द्वारा 1971 की लड़ाई में जीत का समारोह मनाना राष्ट्रीय भावना का प्रतिबिम्ब है। तुलनात्मक संदर्भ में, यह 1983 में क्रिकेट में विश्व विजेता बनने जैसा है, जब इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने सदियों के औपनिवेशिक राज के दंशों से अपने बूते उबरकर, बतौर एक क्षेत्रीय ताकत, इसकी नियति बदलने की कूवत रखने का रुतबा प्राप्त किया। लेकिन क्या भारतीय कूटनीति 1971 के युद्ध की स्मृतियों की बंधक बन गई है? अपने सबसे बड़े संकट में सोवियत संघ की असीमित मदद के बदले क्या भारतीय विचार या टिप्पणीकार रूस से बंधकर रह गए हैं? क्या रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत की प्रतिक्रिया 50 साल पुरानी प्रतिबद्धता के मुताबिक तय होगी? ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन से संबंधित और इसकी अमेरिकी शाखा के कार्यकारी निदेशक ध्रुव जयशंकर ने पिछले दिनों ट्विटर पर तूफान ला दिया जब उन्होंने पश्चिमी टिप्पणीकारों द्वारा यूक्रेन को लेकर भारतीय नीति पर 1971 का संदर्भ देने वाले ट्वीट्स को नस्लीय हमले का संरक्षणवादी ठहराया। ऐसा करके विदेश मंत्री एस जयशंकर के पुत्र ध्रुव ने पश्चिम की दुखती रग पर हाथ रख दिया। उनका यह कहना सच के करीब है कि यूक्रेन पर भारत के सरल रुख का आकलन अलग नजरिए से करने से ज्यादा बनावटी और ऊटपटांग व्याख्या और कोई नहीं हो सकती। वास्तव में भारतीय भावुक और शुक्रगुजार लोग हैं, किंतु भारतीय व्यवहार में मौकापरस्ती पर व्यावहारिकता को तरजीह देने वाला विरोधाभास सदा अंतर्निहित रहा है। यदि भारतीयों को रूस से अपने संबंधों की परवाह है तो वह केवल इसलिए कि आज रूस भारत के लिए क्या कर रहा है- न कि जो 1971 में किया- और वह बहुत कुछ कर रहा है। भारत की अपनी हथियार और अंतरिक्ष संबंधी जरूरतों के लिए लगभग पूरी तरह से रूस पर निर्भरता कुछ वैसी है जो चाहकर भी एकदम खत्म नहीं की जा सकती। अब भारत रूसी सहयोग से विकसित ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्यातक भी है। फिलीपींस से भारतीय ब्रह्मोस मिसाइलों का सौदा आजादी के बाद वाले इतिहास में एक मील का पत्थर है। इस उपलब्धि पर जहां रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन का गर्व करना जायज है वहीं विदेश मंत्रालय और फिलीपींस में भारत के राजदूत शम्भू कुमारन विशेष रूप से श्लाघा के पात्र हैं। आखिरकार, एक ऐसा देश जो साधारण मोबाइल फोन या वाईफाई डोंगल जैसे आम दूरसंचार उपकरण तक नहीं बना पाया, रूस का धन्यवाद कि अब मिसाइलें निर्यात करेगा। अमेरिका से गलबहियां डालना कोई तीस साल पहले शुरू हुआ जब नरसिम्हा राव-प्रणव मुखर्जी की जोड़ी ने देश को विश्व व्यापार संगठन की शर्त-नुमा डोरियों से बांधकर, भारतीय बाजार को अमेरिकी प्रदत्त तकनीक से चीन में बनी वस्तुओं की मेगा-मार्किट में तब्दील कर डाला। जहां एक ओर जापान, दक्षिण कोरिया और चीन को अमेरिका से मिली तकनीक और निवेश से बहुत फायदा हुआ वहीं भारतीय राजनेता वैश्वीकरण के लाभ पर अंतहीन बातें करते रह गए और देश को चीन से आवश्यक दवाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुएं और दूरसंचार उपकरण खरीदने वाले विशुद्ध ग्राहक में तब्दील कर दिया। सीमा नियंत्रण रेखा पर भारत के कड़े तेवरों के बावजूद आज अगर चीन टेलीकॉम, इलेक्ट्रॉनिक्स सामग्री और दवा बनाने में प्रयुक्त मूल अवयवों की आपूर्ति बंद कर दे तो भारतीय उद्योग ठप होकर रह जाएंगे। अब, चीन के बढ़ते रुतबे और दुनिया पर एकल-ध्रुवीय अमेरिकी सरदारी को चुनौती देने की चीन की नीयत स्पष्ट देख लेने के बावजूद अमेरिका ने भारत में निवेश और तकनीक हस्तांतरण बढ़ाने का कोई यत्न नहीं किया। लगता है अमेरिकी राजदूत अभी भी भारत को ब्रितानी चश्मे से देखते हैं, उन्हें भारत महज एक मंडी और भावी सैन्य अभियानों में मानव-बल प्रदाता कोष की तरह दिखाई देता है। बड़ी अमेरिकी कंपनियों के भारतीय मूल के कार्यकारी अधिकारी मुझे अंग्रेजों के ज़माने के 'राय बहादुर' और 'साम्राज्य के मददगार' की उपाधि पाने वालों की याद दिलाते हैं, जिन्होंने न केवल भारतीयों के उत्पीड़न में औपनिवेशिक प्रशासन की मदद की, बल्कि देश को समृद्ध बनाने में कोई योगदान नहीं दिया। जैसे ही वैश्विक व्यवस्था में बदलाव आया, दुनिया की नजरों में चीन का दर्जा मुख्य उत्पादन केंद्र का हो गया। भारत को केवल एक खपतकार मंडी बनकर रहने की बजाय लोकतंत्र के हितों और एक नियम आधारित विश्व-समाज बनाने की खातिर व्यवस्था में बदलाव लाना होगा। उच्च परिष्कृत तकनीकी उपकरणों के लिए भारत की चीन पर लगातार निर्भरता उसे मुख्य एशियाई ताकत बनाने में सहायक होगी। और यह स्थिति चीन को हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र और अन्यत्र इलाकों में अमेरिकी हितों को चुनौती देने में अपनी भुजाएं फड़फड़ाने को उद्धत करेगी। भारत के राष्ट्रीय हित जो यूक्रेन पर स्थिति तय करते हैं, वह केवल रूस से हथियारों के आयात तक सीमित नहीं हैं, इसमें चीन- पाकिस्तान-रूस की संभावित तिकड़ी से पैदा होने वाली गंभीर चिंताएं भी शामिल हैं। यह गठजोड़ भारत की आर्थिक और सैन्य रूप से नाकेबंदी कर पंगु बना सकता है। इस क्षेत्र में चीन द्वारा सम्पूर्ण दबदबा कायम करने की कोशिशों के विरुद्ध रूस-भारत गठबंधन ही एकमात्र सामरिक प्रतिरोधक बनने की हैसियत रखता है, फिर भी हैरानी है कि पश्चिमी जगत यह होते क्यों नहीं देखना चाहता। फिर, अमेरिका ने चीन का सामना करने को आस्ट्रेलिया-यूके-यूएस आधारित 'व्हाइट ब्रायज़ क्लब' नामक गठजोड़ बनाकर इस क्षेत्र में भारत के महत्व को प्रभावी ढंग से कमतर किया है। इस तरह भारत को अपना इंतजाम खुद करने के लिए अकेला छोड़ दिया। रूस की मदद के बिना यह कैसे हो पाएगा, इस सवाल का जवाब मिलना चाहिए। बतौर एक फलते-फूलते लोकतंत्र, भारतीयों का अमेरिका के प्रति अपार स्नेह है और अपेक्षा रखते हैं कि क्षेत्रीय ताकत बनने में वह हमारी मदद करेगा। परंतु परिष्कृत चिप और कोड पाने की बजाय उन्हें मिलती हैं अमेरिकी अखबारों में गालियां। बहुत सारे सहयोगी होने के बावजूद भारत के पास 'यायावर राष्ट्र' रहने का एकमात्र सामरिक विकल्प बचा है- जो पड़ोसी बैरी ताकतों से घिरा है- और जिसकी चीनी आयात पर निर्भरता केवल परिष्कृत अमेरिकी तकनीक पाकर खत्म हो पाएगी। भारत के विशाल मानव श्रम-बल और क्रय-शक्ति का इस्तेमाल कर अमेरिका अपनी अर्थव्यवस्था में नया उछाल ला सकता है, बशर्ते वह अपनी आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव लाकर भारत को निर्माता स्रोत बनाए, न कि अपना माल खपाने वाली एक मंडी। भले ही इस क्रम में भारत को कोरियाई कारों या अन्य उपभोक्ता वस्तुओं को स्वदेशी ब्रांडों से बदलना पड़े, लेकिन अगर अमेरिकी तकनीक, निवेश और मार्गदर्शन मिल सके तो यह करना कहीं ज्यादा आसान और द्विपक्षीय लाभप्रद होगा। भारत अमेरिका के साथ खरा सहयोग और द्विपक्षीय लाभदायक रिश्ता बनाने की चाहत रखता है, 1971 की यादें यहां उतनी महत्वपूर्ण नहीं हैं। यदि हैं भी, तो केवल पश्चिमी मीडिया को यह याद दिलाने भर को कि जहां वह यूक्रेन पर बड़ी-बड़ी बातें कर रहा है वहीं कैसे उसने तीस लाख बंगालियों के नरसंहार की खबरें छापने से आंखें फेरे रखी थीं।

लेखक प्रधान संपादक हैं।

अमल सुनिश्चित करने की अदालती पहल

अनूप भटनागर

हमारे संविधान में नागरिकों को प्राप्त मौलिक अधिकारों की तरह ही मौलिक कर्तव्यों का मुद्दा भी पिछले कुछ सालों से लगातार सुर्खियों में है। इसका एक कारण संविधान में प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इन कर्तव्यों की पूरी तरह अनदेखी करना है। इसीलिए अब केन्द्र और राज्य सरकारों को मौलिक कर्तव्यों के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 51ए का पालन करने के लिए उचित कानून बनाने का निर्देश देने की मांग उठ रही है। दरअसल, प्राकृतिक संसाधनों और नागरिक सुविधाओं की समुचित सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मौलिक कर्तव्यों पर अमल के लिए अब उचित कानून की आवश्यकता महसूस की जा रही है। ऐसा लगता है कि साल 1976 में 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से इसके भाग 4-ए में मूल कर्तव्य शीर्षक से शामिल अनुच्छेद 51-ए में प्रदत्त मौलिक कर्तव्यों के प्रति नागरिकों को जागरूक बनाने की दिशा में कभी गंभीर प्रयास नहीं हुए। इस अनुच्छेद में नागरिकों के 11 कर्तव्यों को रेखांकित किया गया है। इसके अंतर्गत प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्र गान का आदर करे। इन कर्तव्यों में भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करना, उसे अक्षुण्ण बनाये रखना तथा देश की रक्षा करना और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करना भी शामिल है। विभिन्न मुद्दों को लेकर अक्सर ही गैर-सरकारी संगठनों से लेकर आम आदमी तक मौलिक अधिकारों के हनन को लेकर आवाज उठाते और अदालत का दरवाजा भी खटखटाते हैं, लेकिन मौलिक कर्तव्यों का सवाल उठने पर इनमें से अधिकांश बगलें झांकते हैं। दरअसल, मौलिक कर्तव्य भले ही संविधान का हिस्सा हैं लेकिन इन्हें लागू करने के लिए कोई कानून या नियम नहीं हैं। अब यह मांग उठ रही है कि मौलिक कर्तव्य लागू किये जाएं और केंद्र और राज्य सरकारें बतायें कि उन्होंने इस दिशा में क्या कदम उठाये हैं। इस बाबत शीर्ष अदालत ने भी स्पष्ट किया है कि हालांकि इन्हें अदालत के आदेश के जरिए लागू नहीं किया जा सकता लेकिन निश्चित ही ये सांविधानिक और कानून की व्याख्या तथा मुद्दों के समाधान के लिए बहुमूल्य मार्गदर्शन करते हैं। न्यायालय ने यह भी कहा था कि अनुच्छेद 51ए में प्रदत्त मौलिक कर्तव्यों को सही अर्थों में समझना चाहिए। देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंगनाथ मिश्रा ने 18 मार्च, 1998 को तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश को एक पत्र लिखकर नागरिकों को मौलिक कर्तव्यों के प्रति शिक्षित करने के सरकार के दायित्व की ओर ध्यान आकर्षित किया था ताकि मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के बीच उचित संतुलन बनाया जा सके। न्यायालय ने इस पत्र का संज्ञान लिया था और तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश वीएन खरे की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने इस याचिका में उठाये गए बिंदुओं पर विचार किया था। न्यायालय ने अपने फैसले में सरकार से अपेक्षा की थी कि वह नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों के कार्यान्वयन के बारे में न्यायमूर्ति जेएस वर्मा समिति की सिफारिशों पर पूरी गंभीरता से विचार करेगी। साथ ही न्यायालय ने सरकार को मौलिक कर्तव्यों के बारे में न्यायमूर्ति जेएस वर्मा समिति की रिपोर्ट में 1999 में की गई सिफारिशों पर अमल के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया था। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने साल 1998 में नागरिकों को उनके मौलिक कर्तव्यों के प्रति शिक्षित करने के उद्देश्य से शीर्ष अदालत के न्यायाधीश जगदीश शरण वर्मा की अध्यक्षता में यह समिति गठित की थी। समिति ने अपनी सिफारिशों में मौलिक कर्तव्यों के संदर्भ में राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान रोकथाम कानून-1971, नागरिक अधिकार रोकथाम कानून-1955, भाषा, वर्ण, जन्म स्थान, धर्म आदि के

आधार पर विभिन्न समुदायों के बीच कटुता पैदा के लिए दंड के बारे में आपराधिक कानूनों के प्रावधान, गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून 1967, जन प्रतिनिधित्व कानून 1951, वन्यजीव संरक्षण कानून 1972 और वन संरक्षण कानून 1980 जैसे कानूनों का उल्लेख किया था। न्यायालय ने अब केंद्र से जानना चाहा है कि आखिर उसने 2003 में न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्रा की याचिका पर सुनाये गये फैसले के मद्देनजर अब तक क्या कदम उठाये हैं। उसने केन्द्र को मौलिक कर्तव्यों के मामले में उठाये गए या प्रस्तावित कदमों के बारे में विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। सरकार का कहना है कि वह इन मौलिक कर्तव्यों के प्रति जनता को संवेदनशील बनाने के प्रयास कर रही है लेकिन विभिन्न आंदोलनों के कारण सार्वजनिक संपत्ति को पहुंचायी जा रही क्षति, प्राकृतिक संसाधनों का गैरकानूनी तरीके से दोहन और रेल तथा सड़क मार्गों को अवरुद्ध करके राजस्व को पहुंचाये जा रहे नुकसान उनके इस दावे की पोल खोल रहे हैं।

सू-दोकू नवताल -2092

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

सू-दोकू - 2091 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2092

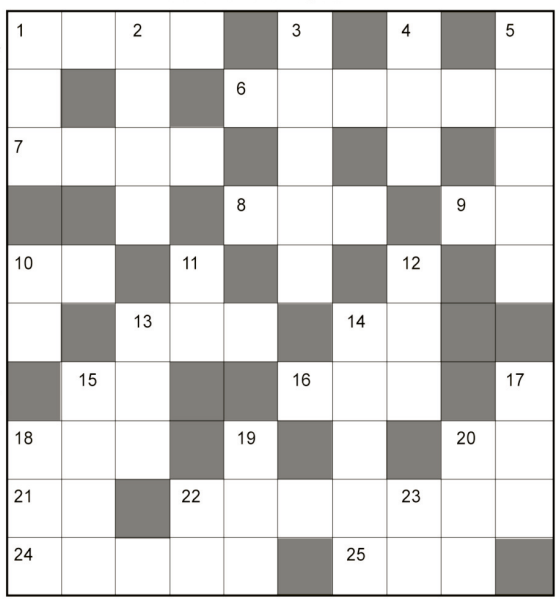

बायें से दायें:-

1. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका चोपड़ा की 'आंखें बंद करके' गीत वाली फिल्म-4
6. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ बच्चन, लक्ष्मी छाया की फिल्म-2,1,3
7. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली फिल्म-4
8. 'अब तेरे दिल में आ गए हम' गीत वाली अक्षय कुमार, माधुरी दीक्षित की फिल्म-3
9. गुरु दत्त, वहीदा रहमान की 'जाने वो कैसे लोग थे जिनके प्यार को प्यार मिला' गीत वाली फिल्म-2
10. 'अगर मैं कहूं' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की फिल्म-2
13. फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की 'तेरे चेहरे में वो जादू है तेरी ओर खिंचा आता हूं' गीत वाली फिल्म-3
14. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-2
15. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-2
16. 'शबनम का ये कतरा है' गीत वाली राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-3
18. प्रदीप कुमार, मीना कुमारी की 'कभी तो मिलेगी कहीं तो मिलेगी बहारों की मंजिल' गीत वाली फिल्म-3
20. 'ओढ़ के अंधेरा मैं जो' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-2
21. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी ?-2
22. जॉय मुखर्जी, सायरा बानो की 'दिल की महफिल सजी है चले आइये' गीत वाली फिल्म-2,2,3
24. 'पिघलता हुआ' गीत वाली आरिफजकारिया, शाहबाज, किरण खेर, तब्बू, रीता गांगुली की फिल्म-5
25. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे ये बात किसी से मत कहना' गीत वाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'बेचैन मेरा दिल है' गीत वाली मिथुन, जॉन अब्राहम, अर्जुन रामपाल, राहुल खन्ना, मनीषा, लारा दत्ता की फिल्म-3
2. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की 'शहरों की गलियों में जब अंधेरा' गीत वाली फिल्म-2,2
3. 'ये वक्त ना खो जाये' गीत वाली जीतेंद्र, रेखा, शबाना आजमी की फिल्म-2,2,1
4. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी तो जमीं पर आ' गीत वाली फिल्म-3
5. 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-2,1,2
10. सलमान खान, स्नेहा उल्लाल की 'आके भर लो बाजुओं में' गीत वाली फिल्म-2
11. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ श्रीदेवी, पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
12. गोविंदा, करिश्मा कपूर की 'सिलसिला शुरू हुआ यहां से वहां तक' गीत वाली फिल्म-3
13. 'खुदा भी आसमां से जब जमीं पर देखता होगा' गीत वाली राजेंद्र कुमार, वहीदा की फिल्म-3
14. जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली फिल्म-2,3
15. गोविंदा, आदित्य पंचोली, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-4
17. 'देखो मेरा दिल मचल गया' गीत वाली राजेंद्र कुमार, वैजयंती माला की फिल्म-3
18. अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-3
19. 'मेरा दिल भी कितना पागल है' गीत वाली संजय दत्त, सलमान खान, माधुरी की फिल्म-3
20. संजीव कुमार, शशि कपूर, वहीदा रहमान, पूनम ढिल्लो की फिल्म-3
22. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-2
23. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2091

वि	द्या	बा	ल	न		आ	शि	क	
वा		द		ज	मी	न		शि	वा
ह	मे	शा		र	ना		जो	श	
		ह	सी	ना		का	शी		डॉ
इ	श्क		मा		ना		ले	कि	न
श्क		शै		श	र	बी		ला	
वि	धा	ता		बा	ज		फि		आ
श्क		न	का	ब		ना	जा	य	ज
	फ		ल		दा	दा		हू	
टा	र्ज	न		सं	ता	न		दी	पा

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलआईसी ने आईपीओ के लिए छांटे एंकर निवेशक

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 50 से 60 एंकर निवेशक छांटे हैं। इनमें ब्लैकरॉक, सैंड कैपिटल, फिडेलिटी, स्टैंडर्ड लाइफ, जेपी मॉर्गन आदि शामिल हैं। सरकार जल्द ही आईपीओ के लिए एंकर बुक को अंतिम रूप देगी। एंकर निवेशकों की प्रतिक्रिया से एलआईसी के शेयरों की कीमत तय करने में मदद मिलेगी। देश की सबसे बड़े बीमाकर्ता एलआईसी का मूल्यांकन करीब 7 लाख करोड़ रुपए किया गया है। ऐसे में इसके भारी-भरकम आईपीओ के लिए काफी संख्या में निवेशकों को भागीदारी करने का मौका मिलेगा। एक अधिकारी ने कहा` कि केंद्र और आईपीओ का प्रबंधन देखने वाली फर्मों ने निवेशकों के साथ मूल्यांकन का दायरा साझा किया था, लेकिन भू-राजनीतिक तनाव के कारण बाजार की परिस्थितियां बदलने से इसका मूल्यांकन उम्मीद से कम है। उन्होंने कहा कि एलआईसी के मूल्यांकन पर जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।

सरकार संस्थागत निवेशकों के लिए आईपीओ को आकर्षक बनाने के मकसद से निवेशकों से प्रतिक्रिया ले रही है। अधिकारी ने बताया कि मर्चेंट बैंकरों के परामर्श से सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय समिति ने जो निवेशक छांटे हैं, उनसे निवेश के वायदे के पत्र` लिए जा रहे है। उन्होंने कहा कि इन निवेशकों को छांटे जाने के बाद भी निवेश से बाहर रहने वालों की दर 25 फीसदी रह सकती है। एक अधिकारी ने कहा कि एंकर निवेशकों के नाम जल्द ही तय कर लिए जाएंगे।

पहली तिमाही में भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार 32 अरब डॉलर पर, चीन से भारत का आयात 27 अरब डॉलर

बीजिंग।

भारत-चीन का द्विपक्षीय व्यापार इस साल की पहली तिमाही में 15.3 प्रतिशत बढ़कर 32 अरब डॉलर के पास पहुंच गया है। चीन के सीमा शुल्क विभाग द्वारा बुधवार को जारी व्यापार आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पूर्वी लद्दाख क्षेत्र को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से गतिरोध जारी है। इसके बावजूद द्विपक्षीय व्यापार का आंकड़ा ऊंचा रहा है। जनवरी-मार्च तिमाही में भारत को चीन का निर्यात बढ़कर 27.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले साल भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार 125 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया था। चीन के सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' ने सामान्य सीमा शुल्क प्रशासन (जीएसी) के आंकड़ों के हवाले से कहा है कि 2022 की पहली तिमाही में भी दोनों देशों का व्यापार तेजी से बढ़ा। पहली तिमाही में यह 31.96 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जो पिछले साल की समान तिमाही से 15.3 प्रतिशत अधिक है। जनवरी-मार्च तिमाही में भारत के लिए व्यापार घाटा 22.23 अरब डॉलर रहा। इस दौरान चीन का भारत को निर्यात 27.1 अरब डॉलर रहा। वहीं भारत से चीन का आयात 4.87 अरब डॉलर रहा। कुछ दिन पहले की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, 2021 में चीन से लैपटॉप और कंप्यूटर, ऑक्सीजन कॉन्सेन्ट्रेटर के अलावा एसिटिक एसिड का आयात रिकॉर्ड बढ़ा है। वहीं भारत मुख्य रूप से चीन को चावल, सब्जियां, सोयाबीन, फल, कॉटन और सी फूड बेचता है। भारत चीन को तैयार माल नहीं बेचता है।

चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी का मुखपत्र माने जाने वाले अंग्रेज़ी दैनिक ग्लोबल टाइम्स ने लिखा था कि भारत की फार्मा इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले केमिकल और अन्य मटीरियल 50 से 60 फीसदी चीन से आते हैं। जीएसी के अनुसार, 2021 में भारत चीन का 15वां बड़ा ट्रेड पार्टनर रहा है।

पिछले महीने यात्री वाहनों की बिक्री घटकर 2,79,501 इकाई रही

नई दिल्ली ।

देश में यात्री वाहनों की कुल बिक्री`` पिछले महीने मार्च में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में चार प्रतिशत कम होकर 2,79,501 इकाई रह गई। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने यह जानकारी दी। मार्च 2021 में यात्री वाहनों की बिक्री 2,90,939 इकाई रही थी। सियाम के ताजा आंकड़ों के अनुसार मार्च में दोपहिया वाहनों की बिक्री 21 प्रतिशत घटकर 11,84,210 इकाई रह गई। मार्च, 2021 में दोपहिया वाहनों की बिक्री 14,96,806 इकाई रही थी। इस दौरान मोटरसाइकिल बिक्री 21 प्रतिशत घटकर 9,93,996 इकाई से 7,86,479 इकाई रह गई। स्कूटरों की बिक्री भी 21 प्रतिशत घटकर 3,60,082 इकाई रही। एक साल पहले समान महीने में दोपहिया कंपनियों ने 4,58,122 स्कूटर बेचे थे। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 30,69,499 वाहन पर पहुंच गई, जो 2020-21 में 27,11,457 वाहन थी। हालांकि, बीते वित्त वर्ष में दोपहिया की कुल बिक्री 11 प्रतिशत घटकर 1,34,66,412 इकाई पर आ गई। इससे पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया की बिक्री 1,51,20,783 इकाई रही थी। वित्त वर्ष के दौरान तिपहिया वाहनों की बिक्री बढ़कर 2,60,995 इकाई पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 2,19,446 रही थी। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 5,68,559 इकाई से बढ़कर 7,16,566 इकाई पर पहुंच गई। हालांकि, विभिन्न श्रेणियों में वाहनों की कुल बिक्री वित्त वर्ष के दौरान घटकर 1,75,13,596 इकाई रह गई।

इन्फोसिस का मुनाफा चौथी तिमाही में 12 फीसदी बढ़कर 5,686 करोड़ रहा

मुंबई ।

देश की प्रमुख सॉफ्टवेयर सेवा कंपनी इन्फोसिस का मुनाफा बीते वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में 12 प्रतिशत बढ़कर 5,686 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बेंगलुरु की कंपनी इन्फोसिस ने का मुनाफा इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,076 करोड़ रुपए रहा था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी आय 22.7 प्रतिशत बढ़कर 32,276 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 26,311 करोड़ रुपए थी। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी ने 2022-23 के लिए राजस्व में 13 से 15 प्रतिशत वृद्धि की संभावना जताई है। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में इन्फोसिस का मुनाफा 14.3 प्रतिशत बढ़कर 22,110 करोड़ रुपए रहा जबकि आय 21 प्रतिशत बढ़कर 1,21,641 करोड़ रुपए रही। इन्फोसिस के एक वे रिष्ठ `अे धिकारी ने कहा` कि कर ग्राहकों के भरोसे के साथ हमारी बाजार हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 16 रुपए प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है। कंपनी ने कहा है` कि आने वाले समय में मजबूत मांग परिवेश के साथ, हम बिक्री, वितरण और नवोन्मेष क्षमता बढ़ाने में उचित दीर्घकालिक निवेश कर रहे हैं। साथ ही लागत अनुकूल बनाने के साथ ही लागत अनुकूल बनाने के उपायों पर भी काम कर रहे हैं। यह मार्जिन अनुमान के रूप में दिख रहा है।

रूस में कारोबार बंद करेगी इन्फोसिस!

नई दिल्ली । यूक्रेन पर हमला करने वाले रूस से`` किनारा करने वाली कई विदेशी कंपनियों में अब भारत की दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनी इन्फोसिस का नाम भी जुड़ गया है। कंपनी ने रूस में अपना कारोबार समेटने का फैसला किया है। हालांकि इसकी दूसरी वजह है। कंपनी के फाउंडर एनआर नारायण मूर्ति के दामाद और बेटी को लेकर ब्रिटेन में सवाल उठ रहे थे। नारायण मूर्ति के दामाद ऋषि सुनक ब्रिटेन के वित्त मंत्री हैं। इन्फोसिस ने हाल ही में मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा करते हुए रूस में कारोबार समेटने की बात कही। कंपनी के सीईओ और एमडी सलिल पारेख का कहना है` कि रूस में हमारा कोई क्लाइंट नहीं है। हम वहां अपने ग्लोबल क्लाइंट्स के लिए काम करते हैं। रूस में हमारे पास 100 से कम कर्मचारी हैं। हमारे कामकाज को वहां से बाहर ले जाना शुरू कर दिया है। हमारा फिलहाल रूस के किसी भी ग्राहक के साथ कोई कारोबार नहीं है। आने वाले समय में भी हमारी उनके साथ काम करने की कोई योजना नहीं है। पारेख ने कहा कि कंपनी रूस में अपने कर्मचारियों को दूसरे देशों खासकर पूर्वी यूरोप के देशों में जाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि एक कंपनी के तौर पर इन्फोसिस चाहती है कि रूस और यूक्रेन मिलकर शांति का कोई रास्ता निकालें। कंपनी ने वहां मानवीय कार्यों में मदद के लिए 10 लाख डॉलर का एक फंड लॉन्च किया है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के बाद इन्फोसिस देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी है। इसका कारोबार कई देशों में फैला है।

वेंदाता दो साल में सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगी

मुंबई ।

वेदांता प्रमुख अनिल अग्रवाल ने कहा कि अगले दो साल में कंपनी फॉक्सकॉन के साथ साझेदारी में एक सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगी। भारत में सेमीकंडक्टर के विनिर्माण के लिए एक संयुक्त उद्यम (जेवी) बनाने के लिए भारतीय समूह ने पहले ही इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण की दिग्गज कंपनी फॉक्सकॉन के साथ समझौता किया था। अग्रवाल ने फॉक्सकॉन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर को 'बहुत बड़ा काम% करार देकर कहा कि सेमीकंडक्टर उद्योग देश में ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे अन्य क्षेत्रों को बढ़ावा देगा।

मोदी सरकार द्वारा देश में इलेक्ट्रॉनिक चिप और डिस्प्ले पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए 76,000 करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा के बाद वेदांता ने सेमीकंडक्टर विनिर्माण में निवेश करने की अपनी योजना का खुलासा किया था। लगभग 60,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक डिस्प्ले यूनिट स्थापित करने की अपनी पूर्व योजना को शुरू नहीं कर पाने के बाद वेदांता का सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रवेश का यह दूसरा प्रयास किया है। अग्रवाल ने इसकी जानकारी दी। वेदांता का सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रवेश का यह दूसरा प्रयास किया है। अग्रवाल ने इसकी जानकारी दी। दोनों कंपनियों के बीच पहले हुए समझौता ज्ञापन के अनुसार, वेदांता के पास संयुक्त उद्यम में बहुलांश हिस्सेदारी होगी, जबकि फॉक्सकॉन अल्पांश शेयरधारक होगी।

वेदांता के चेयरमैन इस संयुक्त उद्यम के प्रमुख बनाया गया हैं। कंपनी ने पहले कहा था कि संयंत्र के स्थान को अंतिम रूप देने के लिए कुछ राज्य सरकारों के साथ बातचीत चल रही है।

कंपनी ने कहा, ''नीति की घोषणा के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में यह पहला संयुक्त उद्यम होगा।

संक्षिप्त समाचार

विश्व बैंक ने पाकिस्तान की वृद्धि का अनुमान घटाकर 4.3 फीसदी किया

इस्लामाबाद । विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 4.3 फीसदी` किया जो पिछले वर्ष के मुकाबले करीब एक फीसदी कम है। उसने कहा कि निवर्तमान सरकार द्वारा ऊर्जा सब्सिडी देने का अंतिम समय पर जो फैसला लिया गया उससे बजट पर अतिरिक्त भार पड़ा और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यक्रम के लिए खतरा खतरा पैदा हुआ। विश्व बैंक में दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए मुख्य अर्थशास्त्री हैंस टिमर ने दक्षिण एशिया में आर्थिक ध्यान को पुनः आकार देने वाले नियम आगे का नया रास्ता नाम की रिपोर्ट जारी की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने कर छूट हटाने और ईंधन पर कर बढ़ाने के आईएमएफ के साथ अपने समझौते का पहले तो पालन किया। उन्होंने कहा कि लेकिन घरेलू स्तर पर ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और राजनीति में विपक्ष के दबाव के कारण पाकिस्तान सरकार को फरवरी में बिजली और ईंधन की कीमतों पर राहत देने वाली एक अखबार की खबर में कहा गया` कि पाकिस्तान सरकार के इन कदमों से घरेलू कीमतों में उतार-चढ़ाव भले कम हुआ हो लेकिन इससे सरकार का बजट का भार बढ़ गया। चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि घटकर 4.3 फीसदी रहने का अनुमान है जो पिछले वर्ष 5.6 फीसदी थी और अगले वर्ष इसके महज चार फीसदी रहने का अनुमान है।

अमेजन विक्रेता शुल्क में पांच फीसद ईंधन और मुद्रास्फीति अधिभार जोड़ेगा

सिएटल । अमेजन ने अपनी बढ़ती लागत में कमी लाने के`` लिए तृतीय-पक्ष विक्रेताओं से वसूले जाने वाले शुल्क पर पांच फीसद ईंधन एवं मुद्रास्फीति अधिभार लगाएगा। तृतीय-पक्ष विक्रेता वे हैं जो इस ई-कॉमर्स कंपनी की सेवाओं का उपयोग करते हैं। अमेजन ने कहा कि यह अतिरिक्त शुल्क 28 अप्रैल से प्रभाव में आएगा और यह परिधान और गैर-परिधान दोनों प्रकार की वस्तुओं पर लागू होगा। इससे पहले अमेजन ने बीते नवंबर में शुल्क वृद्धि की घोषणा की थी जो जनवरी से लागू हुई थी। कंपनी की ओर से हालिया फैसले के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी गई। विक्रेताओं को भेजे गए नोटिस में अमेजन ने कहा कि कोविड-19 महामारी आने के बाद से उसकी लागत बढ़ गई है। उसने कहा` कि 2022 में हमें हालात सामान्य होने की उम्मीद थी क्योंकि दुनियाभर में कोविड-19 पाबंदियां हटी हैं लेकिन ईंधन और मुद्रास्फीति बढ़ने से चुनौतियां बढ़ गईं।` हाल ही में जारी` किए गए संघीय आंकड़ों में बताया गया कि मार्च में मुद्रास्फीति 8.5 फीसदी बढ़ गई।

सीएनजी और पीएनजी 2.5 रुपए और महंगी हुई

नई दिल्ली । देश में महंगाई को लेकर जनता को राहत मिलती नहीं दिख रही है। जहां एक ओर बीते नौ दिनों से पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर होने से लोगों ने राहत की सांस ली है, तो दूसरी ओर सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में में बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को सीएनजी 2.5 रुपए और महंगी हो गई, जबकि बुधवार रात को आईजीएल ने पीएनजी की कीमतों में फिर से बड़ा इजाफा किया। बीते कुछ दिनों से इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने पीएनजी और सीएनजी के दाम में तेजी का जो सिलसिला शुरू किया, वो थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को गैस कंपनी के अनुसार पीएनजी की कीमत में 4.25 रुपए की बढ़ी बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद एनसीआर में पीएनजी का दाम 45.96 रुपए प्रति एमसीएम पर पहुंच गया है। गौरतलब है कि इससे पहले पिछले दिनों गैस कंपनी ने पीएनजी के दाम में छह रुपए की बढ़ोतरी की थी। सीएनजी 2.5 रुपए महंगी हो गई है। इस वृद्धि के बाद दिल्ली में इसकी नई कीमत 71.61 रुपए प्रति किलो हो गई। दिल्ली के अलावा नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में भी उपभोक्ताओं को सीएनजी के लिए जेब अधिक ढीली करनी पड़ेगी। यहां प्रति किलो सीएनजी के लिए ग्राहकों को 74.17 रुपए चुकाने होंगे जबकि गुरुग्राम में सीएनजी के दाम 79.94 रुपए प्रति किलो हो गए हैं। सीएनजी की कीमत में इस महीने यह चौथी बढ़ोतरी है। चार किस्तों में इसकी कीमत 10.80 रुपए बढ़ चुकी है।चार किस्तों में इसकी कीमत 10.80 रुपए बढ़ चुकी है।

मार्च में वनस्पति तेल का आयात 13प्रतिशत बढ़कर 11 लाख टन से अधिक हुआ: एसईए

बिजनेस डेस्क।

खाद्य तेलों के अधिक आयात की वजह से वनस्पति तेल का आयात मार्च में 13 प्रतिशत बढ़कर 11 लाख टन से अधिक हो गया। खाद्य तेल उद्योग के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने कहा कि मार्च, 2022 में 11,04,570 टन (खाद्य तेल और अखाद्य तेल सहित) का आयात हुआ, जबकि मार्च, 2021 में यह 9,80,243 टन रहा था। मार्च, 2022 में खाद्य तेल का आयात बढ़कर 10,51,698 टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 9,57,633 टन था। वहीं अखाद्य तेल का आयात समीक्षाधीन अवधि के दौरान 22,610 टन से बढ़कर 52,872 टन हो गया। तेल वर्ष 2021-22 नवंबर, 2021-मार्च, 2022 के पहले पांच महीनों के दौरान वनस्पति तेलों का कुल आयात पिछले वर्ष की इसी अवधि के 53,75,003 टन की तुलना में बढ़कर 57,95,728 टन हो गया। तेल वर्ष 2021-22 के पहले पांच महीनों के दौरान, रिफाइंड खाद्य तेल का आयात पिछले वर्ष की इसी अवधि के 24,101 टन से तेज वृद्धि को दर्शाता 7,71,268 टन हो गया। कच्चे खाद्य तेल का आयात 52,16,225 टन से घटकर 48,71,650 टन रह गया। एसईए ने कहा, ''नवंबर 2021-मार्च 2022 के दौरान, पाम तेल का आयात घटकर 26,53,253 टन रह गया जो नवंबर 2020-मार्च 2021 के दौरान 30,90,559 टन रहा था।

दूसरी ओर हल्के तेल का आयात नवंबर, 2020 से मार्च, 2021 के 21,49,767 टन से बढ़कर 29,89,665 टन हो गया। इसका मुख्य कारण सोयाबीन तेल का अधिक आयात होना था। एसोसिएशन ने कहा कि पिछले महीने के दौरान 2,12,000 टन सूरजमुखी तेल पोतों पर आया। इस आयात की खेप रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष शुरू होने के पहले ही भारत के लिए रवाना हो चुकी थी। पहले ही भारत के लिए रवाना हो चुकी थी। यह आयात मुख्य रूप से यूक्रेन (1,27,000 टन), रूस (73,500 टन) और अर्जेंटीना (11,900 टन) से हुआ। एसईए ने कहा, ''हालांकि, अप्रैल 2022 में यूक्रेन से कोई निर्यात खेप नहीं आने के कारण, सूरजमुखी तेल का आयात घटकर लगभग 80,000 टन ही रह सकता है।

देश की वस्तुओं का निर्यात 42 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली । देश की वस्तुओं का निर्यात पेट्रोलियम उत्पादों, इंजीनियरिंग और चमड़ा जैसे क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन के दम पर मार्च 2022 में 19.76 प्रतिशत बढ़कर 42.22 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि इस अवधि में व्यापार घाटा और बढ़कर 18.51 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी` किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। मार्च, 2021 में देश से कुल 35.26 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने आयात 24.21 फीसदी बढ़कर 60.74 अरब डॉलर पर पहुंच गया। समीक्षाधीन महीने में व्यापार घाटा बढ़कर 18.51 अरब डॉलर हो गया। मार्च, 2021 में यह 13.64 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2021-22 में कुल निर्यात बढ़कर 419.65 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, वहीं आयात भी बढ़कर 611.89 अरब डॉलर हो गया। आयात और निर्यात के बीच के इस अंतर की वजह से व्यापार घाटा 192.24 अरब डॉलर हो गया। 2020-21 में व्यापार घाटा 102.63 अरब डॉलर था। भारत का मासिक वस्तु निर्यात पहली बार 40 अरब डॉलर के पार पहुंचा है। मार्च, 2022 में यह 42 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक, सेवा निर्यात का अनुमानित मूल्य मार्च 2022 में 4.64 प्रतिशत बढ़कर 21.76 अरब डॉलर हो गया। पिछले महीने सेवा आयात 7.33 फीसदी बढ़कर 13.16 अरब डॉलर हो गया। मंत्रालय से` मिली जानकारी के मुतो बिक अप्रैल-मार्च 2021-22 में सेवा निर्यात का अनुमानित मूल्य 249.24 अरब डॉलर रहा जो अप्रैल-मार्च, 2020-21 के 206.09 अरब डॉलर के मुकाबले 20.94 फीसदी अधिक है। 2020-21 के 117.52 अरब डॉलर के मुकाबले 23.20 प्रतिशत अधिक है।

महिंद्रा ट्रिओ ऑटो और ट्रिओ जोर को आईआईटी मंडी किया प्रदर्शित

ट्रियो इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर्स की पूरी रेंज को शोकेस

नई दिल्ली।

महिंद्रा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड ने हिमाचल प्रदेश के मंडी में इलेक्ट्रिक ऑटो डिमॉन्स्ट्रेशनकार्यक्रम में लोकप्रिय ट्रियो इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर्स की पूरी रेंज को शोकेस किया है। महिंद्रा ट्रिओ ऑटो और ट्रिओ जोर को आईआईटी मंडी, मंडी आरटीओ, राइज अप फाउंडेशन के आयोजित 2 दिवसीय कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया। दरअसल, हिमाचल का मंडी शहर ऐसे कॉमर्शियल गुड्स ऑपरेटरों के लिए व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र है, जो कृषि उत्पादों को आसपास के शहरों में पहुंचाते हैं। पर्यावरण के अनुकूल महिंद्रा ट्रिओ ऑटो पारंपरिक पेट्रोल ऑटो की तुलना में 5 वर्षों में 7.3 लाख रुपये की बचत करता है और ऐसा कंपनी का दावा है। यह इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर दूरदराज तक पहुंचने वाले ऑपरेटरों के लिए दीर्घकालिक सस्टैनबिलिटी का वादा करता है और उद्यमियों के लिए एकदम सटीक साबित होगा। महिंद्रा 73.4 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर कैटिगरी में नंबर 1 प्लेयर है और पूरे भारत में 16000 से ज्यादा ग्राहकों की पसंदीदा पसंद है। ट्रियो रेंज में लीथियम-आयन बैटरी पैक है, जो 5 साल या 1.5 लाख किलोमीटर से ज्यादा लाइफ के साथ आता है। इस मौके पर महिंद्रा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के सीईओ सुमन मिश्रा ने कहा कि महिंद्रा ट्रियो रेंज को सस्टैनबिलिटी और पर्यावरण अनुकूल वाहन के लिहाज से विकसित किया गया है।महिंद्रा ट्रियो रेंज प्रदूषण को कम करने, जीवन शैली में सुधार करने और स्थिरता को बढ़ावा देने का वादा करती है, जो कि वर्तमान दौर की आवश्यकता भी है। इसी दिशा में इलेक्ट्रिक ऑटो डिमॉन्स्ट्रेशन के इस आयोजन ने लास्ट माइल मोबिलिटी में पर्यावरण अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने का प्रयास किया।

अर्टिगा और एक्सएल6 बेहतर लुक के साथ आएगी

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी की नई सिलेरियो और डिजायर सीएनजी के साथ ही नई बलेनो लॉन्च हुई। अर्टिगा और एक्सएल6 अपने फेसलिफ्ट अवतार में बेहतर लुक-फीचर्स के साथ इस महीने आएगी। मारुति सुजुकी अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी विटारा ब्रेजा का नेक्स्ट जेनरेशन मॉडल भी लॉन्च करने वाली है, जिसमें पहली बार सीएनजी किट के साथ ही बहुत कुछ खास देखने को मिलेगा। अपकमिंग 2022 मारुति सुजुकी विटारा ब्रेजा से जुड़ीं हालिया मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इस कॉम्पैक्ट एसयूवी में नया इंजन देखने को मिलेगा, जो कि 1.5 लीटर के15सी डयूलजेट पेट्रोल इंजन होगा और यह 115बीएचपी तक की पावर जेनरेट कर सकेगा। इसके साथ ही नई ब्रेजा में फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट भी देखने को मिल सकता है, जिसकी माइलेज अच्छी हो सकती है। इन सबसे इतर जो बातें नई मारुति ब्रेजा को खास बनाएगी, वो ये है कि इस कार में मौजूदा 4 स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन यूनिट के मुकाबले 6 स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स देखने को मिलेंगे। इसमें स्पोर्ट मोड, मैनुअल शिफ्ट ऑप्शन और ऐडेड रेश्यो देखने को मिलेंगे। इसके साथ ही 5 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन ऑप्शन तो होंगे ही। नेक्स्ट जेनरेशन मारुति सुजुकी विटारा ब्रेजा के संभावित लुक और फीचर्स की बात करें तो इस एसयूवी में काफी सारे कॉस्मेटिक बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जिनमें नई ग्रिल, हेडलैंप और टेललैंप के साथ ही नया फ्रंट और रियर बंपर होगा। नई ब्रेजा में 6 एयरबैग्स और ईएसपी के साथ कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी और अडवांस्ड ड्राइविंग असिस्टेंट सिस्टम जैसी खूबियां भी दिख सकती हैं। %

मुम्बई ने अब गलती की तो रोहित पर लगेगा एक मैच का प्रतिबंध

पुणे । आईपीएल के 15 वें सत्र में अब तक एक भी मैच नहीं जीती मुंबई इंडियंस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ धीमी ओवर गति के कारण टीम पर जुर्माना भी लगा है। इस सत्र में यह दूसरी बार है जब मुंबई पर जुर्माना लगा है। वहीं अब अगर मुंबई इंडियंस इस सत्र में तीसरी बार धीमी ओवर गति की गलती करती है तो जुर्माने के साथ-साथ कप्तान रोहित शर्मा पर एक मैच का प्रतिबंध भी लगेगा। धीमी ओवर गति के नियमों के अनुसार अगर कोई टीम सत्र में पहली बार यह गलती करती है तो कप्तान पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाता है जबकि दूसरी बार इसी गलती के लिए कप्तान सहित अंतिम ग्यारह में शामिल खिलाड़ियों को जुर्माना भरना पड़ता है। गलती दोहराने पर कप्तान पर जुर्माने की रकम बढ़कर 25 लाख तक पहुंच जाती है। वहीं अन्य खिलाड़ियों को 6 लाख या फिर 25 फीसदी मैच फीस भरनी होती है। इसके अलावा अगर कोई टीम तीसरी बार एक सत्र में धीमी ओवर गति की गलती करती है तो कप्तान पर 30 लाख रुपए के जुर्माने का साथ ही एक मैच का प्रतिबंध और अंतिम ग्यारह में शामिल खिलाड़ियों पर 12 लाख या फिर 50 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगाया जाता है।

रेकेवेक इंटरनेशनल शतरंज - हारी बाजी जीतकर प्रग्गानंधा बने रेकेवेक ओपन के विजेता

रेकेवेक , आइसलैंड ।

35वें रेकेवेक इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट का अंतिम और आखिरी राउंड भारत के दो प्रतिभाशाली ग्रांड मास्टरों आर प्रग्गानंधा और डी गुकेश के बीच खेला गया जिसमें लगभग हारी हुई बजाई को ना सिर्फ प्रग्गानंधा नें जीता बल्कि टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम कर लिया । सफ़ेद मोहरो से खेल रहे गुकेश नें निमजों इंडियन डिफेंस के खिलाफ एक्स्चेंज वेरिएशन में शुरुआत से ही प्रग्गानंधा पर एक प्यादे की बढ़त हासिल कर ली बदले में उनका राजा की सुरक्षा पर उन्हे खास ध्यान देना था ,खेल की 28वीं चाल में गुकेश नें एक और प्यादे की बढ़त हासिल कर ली और ऐसा लगा की वह जीत की तरफ बढ़ रहे है पर उनकी उनकी घड़ी में कुछ सेकंड़ ही बचे थे और ऐसे में प्रग्गानंधा नें गुकेश के राजा पर हमले करना शुरू कर दिये और अपने राजा को बचाते हुए गुकेश नें खेल की 36 वीं और 37वीं चाल में वजीर और हाथी की चाल से लगातार दो भारी गलतियाँ कर दी और अप्रत्याशित तरीके से मुक़ाबला हार गए । इस जीत से जहां प्रग्गानंधा 7.5 अंक बनाकर विजेता बन गए तो गुकेश 6 अंको पर ही रह गए और 17वे स्थान पर रहे । इस जीत से जहां प्रग्गानंधा 7.5 अंक बनाकर विजेता बन गए तो गुकेश 6 अंको पर ही रह गए और 17वे स्थान पर रहे । इस जीत से जहां प्रग्गानंधा 7.5 अंक बनाकर विजेता बन गए तो गुकेश 6 अंको पर ही रह गए और 17वे स्थान पर रहे । 7 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर नीदरलैंड के मैक्स वरमेरदम दूसरे , डेन्मार्क के मड्स अंडरसन तीसरे ,आइसलैंड के स्टेन ग्रेटर्सोन चौंथे और यूएसए के अभिमन्यु मिश्रा पांचवे स्थान पर रहे ।

6.5 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर ब्राज़ील के अलेक्ज़ेंडर फेयर छठे ,यूएसए के हंस मोके सातवे ,भारत के अभिजीत गुप्ता आठवे भारत के अभिजीत गुप्ता आठवे ,उक्रेन के लरकिन व्लादिसलाव नौवे और डेन्मार्क के कोरले कासा दसवें स्थान पर रहे । भारत की तनिया सचदेव 6 अंक बनाकर ओवरऑल 21वे तो महिलाओं में पहले स्थान पर रही ।

प्रो हॉकी लीग में शीर्ष पर रहने जर्मनी को हराने उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

भुवनेश्वर ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो हॉकी लीग 2021-22 अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर बने रहने के लिए आज और कल कलिंग स्टेडियम में जर्मनी के खिलाफ होने वाले दो डबल हेडर मुकाबलों में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम के अभी 10 मैचों में 21 अंक है और वह तालिका में पहले स्थान पर कायम है। टीम के कप्तान अमित रोहिदास ने में कहा कि हमने इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हुए दोनो मैच जीत थे और टीम यही सिलसिला बरकरार रखना चाहेगी। अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचने से टीम का मनोबल बढ़ा है। यह एक टीम प्रयास है और हम शीर्ष पर बने रहने का पूरा प्रयास करेंगे। रोहिदास ने जर्मनी के खिलाफ दो डबल हेडर मुकाबलों की तैयारियों के बारे में कहा कि हमने वीडियो विश्लेषण के जरिये विरोधी टीम की ताकत का आंकलन किया है। हमने उन क्षेत्रों पर भी काम किया है जिन पर हमें सुधार करने की जरुरत है।

हमने अच्छा खेला पर लय कायम नहीं रख पाये : रोहित

मुंबई । आईपीएल खिताब सबसे अधिक पांच बार जीतने वाली मुंबई इंडियंस टीम के लिए यह 15 वां सत्र अब तक निराशाजनक रहा है और उसे एक भी मैच में जीत नहीं मिल पायी है। पंजाब किंग्स के खिलाफ 199 रन का लक्ष्य का पीछा करने आई मुंबई इंडियंस की टीम 186 रन ही बना पाई और 12 रन से मैच हार गई है। यह मुंबई इंडियंस की लगातार 5वीं हार और इसी के साथ ही वह अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर खिसक गयी है। मैच हारने के बाद मुम्बई के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि हमने आज अच्छा खेला है पर लय बरकरार नहीं रख पाये। मुझे लगता है कि हमने आज बेहतर खेल दिखाया और हम मैच जीतने के बेहद करीब आ गये थे। मैच में जो रन आउट हुए वह हमारे पक्ष में नहीं थे। एक समय पर हम तेजी से रन बना रहे थे पर बदकिस्मती से अपने आप को साबित नहीं कर पाए। इस जीत का श्रेय पंजाब किंग्स के गेंदबाजों को जाएगा क्योंकि उन्होंने दूसरे हॉफ में अच्छी गेंदबाजी की। रोहित ने आगे कहा कि हम कुछ अलग करने की कोशिश कर रहे थे। पर हमें सफलता नहीं मिली। वहीं विरोधी टीम पंजाब के खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। हम उनके जैसा अच्छा क्रिकेट नहीं खेल पाये। कप्तान ने कहा कि हमें हालातों के अनुसार खेलना होगा।

वाटसन की टॉप 5 बल्लेबाजों की लिस्ट में कोहली सबसे ऊपर, सूची में कौन से खिलाड़ी हैं शामिल

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व आलराउंडर शेन वाटसन ने टेस्ट क्रिकेट में 'बिग फाइव के बीच विराट कोहली को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना है। वाटसन ने इस पहलू को अधिक तवज्जो नहीं दी कि कोहली नवंबर 2019 से शतक जड़ने में नाकाम रहे हैं। वाटसन की सूची के अनुसार पूर्व भारतीय कप्तान कोहली ने स्टीव स्मिथ, केन विलियमसन, जो रूट और बाबर आजम को पछाड़ा। आईसीसी रिव्यू की नवीनतम कड़ी में इशा गुहा ने जब वाटसन से पूछा कि उनके विचार में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज कौन है तो उन्होंने कहा, 'टेस्ट मैच क्रिकेट में मैं हमेशा कहूंगा कि विराट कोहली। वाटसन ने कहा, 'वह लगभग सुपरह्यूमन है, वह जो हासिल कर पाया है वह इसलिए है क्योंकि वह जब भी खेलने उतरता है जो इतने अधिक जुनून के साथ उतरता है। कोहली आईसीसी रैंकिंग में 10वें स्थान पर खिसक गए हैं लेकिन टेस्ट क्रिकेट में इस दिग्गज भारतीय का रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने 27 टेस्ट शतक और 28 अर्धशतक जड़े हैं और उनकी मौजूदा टेस्ट बल्लेबाजी औसत 50 से कुछ कम है। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर रिपोर्ट में कहा कि दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन हैं जिन्होंने 26 टेस्ट में 54.31 की औसत से रन बनाए हैं। उनकी मौजूदगी में 'बिग फाइव% को 'बिग सिक्स% माना जाना चाहिए था लेकिन न्यूनतम 40 टेस्ट खेलने की पात्रता के कारण उन्हें इसमें जगह नहीं मिली। पाकिस्तान के कप्तान बाबर को वाटसन ने दूसरे नंबर पर रखा है। वाटसन ने कहा कि बाबर आजम शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'उसने जिस तरह अपने खेल से सामंजस्य बैठाया है और टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है वह देखना शानदार है। बाबर आजम संभवतः अभी नंबर दो है। बाबर अभी आईसीसी रैंकिंग में पांचवें नंबर के बल्लेबाज हैं और आस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा प्रदर्शन को देखा जाए तो उनमें सुधार हो रहा है। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ कराची में दूसरे टेस्ट में 196 रन की शानदार पारी खेली और श्रृंखला में 390 रन बनाए। वाटसन की सूची में स्मिथ तीसरे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है।

उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि स्मिथ ने क्रीज पर अधिक समय बिताने के बारे में सोचना शुरू कर दिया है और वह गेंदबाजों पर उतना दबाव नहीं डाल रहा जितना वह उस समय डालता था जब वह अपने खेल के शीर्ष पर था। मेरे लिए स्मिथ इस सूची में थोड़ा नीचे गिरा है। स्मिथ आईसीसी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। विलियमसन को इस समय चौथा सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज मानने वाले वाटसन ने कहा, 'केन अपने खेल से अच्छी तरह वाकिफ है और उसे पता है कि किसी भी हालात में कैसे गेंदबाजों पर दबाव बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

साउथी रिचर्ड हैडली पदक से सम्मानित

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज टिम साउथी को शानदार प्रदर्शन के लिए सर रिचर्ड हैडली पदक से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार कैलेंडर वर्ष में शानदार प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर को दिया जाता है। तीन दिवसीय पुरस्कार समारोह के अंतिम दिन साउथी के अलावा पेन किनसेला को बर्ट सुटक्लिफ पदक जबकि डेवोन कॉनवे को साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर का अवार्ड दिया गया । वहीं साल की सर्वश्रेष्ठ घरेलू महिला क्रिकेटर का पुरस्कार नेंसी पटेल को दिया गया है। सर्वश्रेष्ठ घरेलू पुरुष क्रिकेटर पुरस्कार संयुक्त रूप से टॉम ब्रूस और रॉबी ओडोनेल को दिया गये। आईपीएल के 15 वें सत्र में केकेआर की ओर से खेल रहे साउथी को 2021 में अपनी धरती के साथ ही विदेशी धरती पर भी टेस्ट और सीमित ओवरों के प्रारूप में शानदार प्रदर्शन के लिए साल का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया। गौरतलब है कि साउथी ने पिछले साल भी 23.88 के औसत से 36 टेस्ट विकेट लिए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लार्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ 43 रन देकर छह विकेट लेना रहा है। साउदी ने भारत के खिलाफ साउथम्पटन में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में टीम की खिताबी जीत में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट लिए थे। साउथी के नाम 338 टेस्ट विकेट दर्ज हैं। वह दिग्गज तेज गेंदबाज रिचर्ड हैडली से केवल 93 विकेट पीछे हैं। साउथी ने कहा कि इतना प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल करना बड़े सम्मान की बात है। प्रशंसा मिलना अच्छा है पर मुझे लगता है कि इससे यह पता चलता है कि कैसे हमने एकजुट होकर शानदार प्रदर्शन कर टीम को सफलता दिलायी है।

धवन 800 बाउंड्री लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने

पुणे। पंजाब किंग्स के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन आईपीएल में 800 बाउंड्री लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। अब को किसी भी खिलाड़ी ने इस आंकड़े को हासिल नहीं किया है। धवन ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 50 गेंद पर 70 रन बनाने के दौरान ही 5 चौके और 3 छक्के लगाकर यह उपलब्धि हासिल की है। धवन का यह आईपीएल में 45वां अर्धशतक है। इस मैच से पहले उन्होंने 668 चौके और 127 छक्के यानी 795 बाउंड्री लगाई थी। मुंबई के खिलाफ उन्होंने 8 बाउंड्री लगाई और 800 बाउंड्री का रिकॉर्ड बनाया। वहीं आरसीबी के विराट कोहली सबसे ज्यादा बाउंड्री के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 766 बाउंड्री लगाई है जबकि वेस्टइंडीज के क्रिस गेल 761 बाउंड्री के साथ तीसरे नंबर पर हैं। धवन ने आईपीएल में 2 शतक भी लगाये हैं। धवन इसी के साथ ही मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने 27 पारियों में 40 की औसत से 871 रन बनाए हैं जिसमें 6 अर्धशतक हैं। उनका स्ट्राइक रेट 128 का है। उनके अलावा कोई अन्य खिलाड़ी 850 रन का आंकड़ा हासिल नहीं कर पाया है। कोई अन्य खिलाड़ी 850 रन का आंकड़ा हासिल नहीं कर पाया है। वहीं पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने भी मुंबई के खिलाफ 824 रन बनाये हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं। इन दोनों के अलावा अन्य खिलाड़ी अभी तक 800 रनों के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया है।

फुटबॉल को बढ़ावा देने लीग ढांचे को मजबूत करना होगा : कुशल

मुंबई ।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव कुशल दास के अनुसार देश में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए लीग के ढांचे को मजबूत करना होगा। भारतीय पुरुष फुटबॉल लीग प्रणाली में तीन डिवीजन (इंडियन सुपर लीग, आई-लीग और आई-लीग दूसरा डिवीजन) शामिल हैं। इसके अलावा महिलाओं के लिए भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) है। भारतीय पुरुष टीम का लक्ष्य एएफसी एशियाई कप फाइनल के लिए क्वालीफाई करना है। इसके लिए भारतीय टीम को जून में क्वालीफायर मुकाबले खेलने हैं। उसे ग्रुप डी में अफगानिस्तान , कंबोडिया और हांगकांग से खेलना है। दास ने कहा कि भारत में फुटबॉल एक लोकप्रिय खेल है फिर भी हमारी टीम विश्व स्तर पर कहीं पीछे है। इसका कारण लीग संरचना की कमी रही है। भारत ने साल 2007 में आई-लीग की शुरुआत की, जबकि जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने लीग टूर्नामेंटों को बहुत पहले शुरू कर दिया था उन्होंने कहा कि भारत 70 के दशक में जापान को हरा देता था, 60 के दशक में हमने कोरिया को हराकर एशिया कप जीता था पर इसके बाद हमारी टीम का स्तर गिरने लगा। इसका कारण लीग फुटबॉल की शुरुआत में देरी रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इंडियन सुपर लीग की अवधि को और बढ़ाने की जरूरत है। आईएसएल अब देश की शीर्ष लीग है, आई-लीग को एक पायदान नीचे कर दिया है।

विश्व विजेता टीम का हिस्सा रह चुकी अन्या श्रुबसोल ने संन्यास की घोषणा की

लंदन । दो बार की महिला विश्व कप और पहले टी20 विश्व कप की विजेता इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की हिस्सा रहीं तेज गेंदबाज अन्या श्रुबसोल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। सोमरसेट के लिए अपने घरेलू करियर की शुरुआत करने वाली 30 वर्षीय श्रुबसोल ने इंग्लैंड के लिए सभी प्रारूपों को मिला कर 173 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुल 227 विकेटों के साथ अपने 14 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त किया है। वहीं उन्होंने वनडे क्रिकेट में इंग्लैंड की चौथी, जबकि टी-20 में शीर्ष विकेट टेकर के रूप में अपना करियर समाप्त किया है। वह हालांकि राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी, शार्लेट एडवर्ड्स कप और 'द हंड्रेड में घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगी। श्रुबसोल ने न्यूजीलैंड में हाल ही में नौ विकेटों के साथ अपना 2022 आईसीसी महिला विश्व कप अभियान समाप्त किया था। टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल में आया था, जबक उन्होंने 46 रन देकर तीन विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज ने एक बयान में कहा, 'मैं पिछले 14 वर्षों से अपने देश का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम होने के लिए बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। ऐसे विकास के समय महिला क्रिकेट में शामिल होना एक सम्मान की बात रही है, लेकिन मेरे लिए यह स्पष्ट हो गया है कि मैं जितना क्रिकेट के साथ रह सकती हूं, यह उससे कहीं ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसलिए मेरे लिए यही इससे दूर होने का समय है। मैं जितना क्रिकेट के साथ रह सकती हूं, यह उससे कहीं ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसलिए मेरे लिए यही इससे दूर होने का समय है। अब तक की यात्रा में कई उतार-चढ़ाव आए हैं में अब तक की यात्रा में कई उतार-चढ़ाव आए हैं, लेकिन 2017 में लॉर्ड्स में आईसीसी महिला विश्व कप को उठाने में सक्षम होना अब तक का सबसे खास पल था।

पाकिस्तान सफेद गेंद श्रृंखला के लिए करेगा श्रीलंका की मेजबानी

कराची । पाकिस्तान सफेद गेंद श्रृंखला के लिए श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम की मेजबानी करेगा, जिसमें आईसीसी महिला चैंपियनशिप के वनडे मैच भी शामिल हैं। दोनों टीमें 24 मई से पांच जून तक के इस दौरे में पहले कराची में तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगी, उसके बाद तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। पहला टी-20 24 मई को, 26 मई को दूसरा और 28 मई को तीसरा टी-20 मैच खेला जाएगा, जबकि एक, तीन और पांच जून को तीन वनडे मैच होंगे, जो आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा होंगे, जिसमें अंतिम चक्र में पाकिस्तान न्यूजीलैंड, वेस्ट इंडीज और श्रीलंका से आगे पांचवें स्थान पर रहा था। दोनों श्रृंखलाओं के सभी मैच कराची के साउथेंड क्लब पर खेले जाएंगे। यहां दिसंबर 2018 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज के बाद से पाकिस्तान की पहली अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जाएगी। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की कप्तान बिस्माह मारूफ पहली बार अपनी सरजमीं पर महिला चैंपियनशिप मैच खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने इस बारे में कहा, 'हमारे लिए अपनी सरजमीं पर आईसीसी महिला चैंपियनशिप मैच खेलना सौभाग्य की बात है और पाकिस्तान टीम श्रीलंका का स्वागत करने के लिए बहुत उत्साहित है।

दीपक चाहर आईपीएल के बाद टी-20 विश्वकप से भी हो सकते हैं बाहर

फिट होने चार महीने तक रहना होगा खेल से दूर

बेंगलुरु ।

तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर दीपक चाहर चोटिल होने के कारण अगले चार माह तक खेल से दूर रहेंगे। इस कारण चाहर का आईपीएल के अलावा टी20 विश्वकप में खेलना भी संदिग्ध नजर आ रहा है। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने नीलामी में चाहर को 14 करोड़ की भारी भारकम धनराशि में खरीदा था पर इस खिलाड़ी के नहीं खेल पाने से उसे करारा झटका लगा है। वह आजकल नेशनल क्रिकेट एडेडमी बेंगलुरु में रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे है पर वहां भी उनकी पीठ में खिंचाव आ गया। इससे उनकी परेशानी और बढ़ गयी है। नेट्स में गेंदबाजी करते समय उन्हें नई चोट लगी है। इससे वह अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप से भी बाहर हो सकते हैं। चाहर को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के दौरान ही चोट लगी थी। उसके बाद से ही उन्हें आईपीएल से बाहर होना पड़ा था। अब नई चोट ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी है। इससे पहले उम्मीद थी कि चाहर मध्य आईपीएल 2022 में सीएसके से जुड़ जाएंगे पर नई चोट लगने से उनकी वापसी की योजना को झटका लगा है। स्कैन कराने के बाद सुझाव दिया गया है कि इस गेंदबाज को पूरी तरह से फिट होने के लिए चार माह तक तक बाहर रहना होगा। इससे साफ है की दीपक को टी-20 विश्व कप से भी बाहर रहना पड़ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चाहर की चोट गंभीर है।

वह तेजी से वापसी करने के लिए एनसीए में अभ्यास कर रहे थे। उन्हें उम्मीद थी कि वह आईपीएल के बीच में ही वापसी कर जाएंगे पर अब यह संभव नजर नहीं आ रहा। उनके नहीं खेलने से सीएसके की गेंदबाजी ओर बल्लेबाजी भी प्रभावित हुई है।

मैड्रिड में चैम्पियंस लीग फुटबॉल में जीत के बाद उत्साहित मैनचेस्टर सिटी के खिलाड़ी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

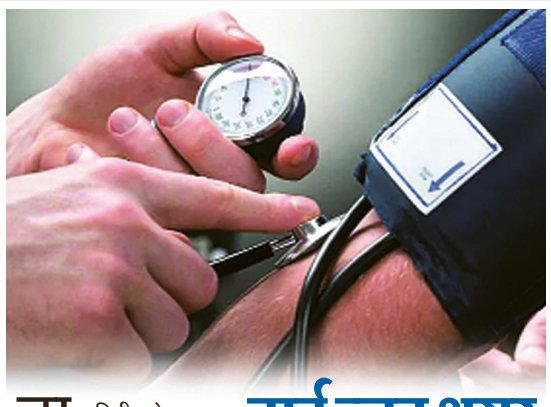

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना। शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूडस की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाइड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है। डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड़, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शियम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

ड़ायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

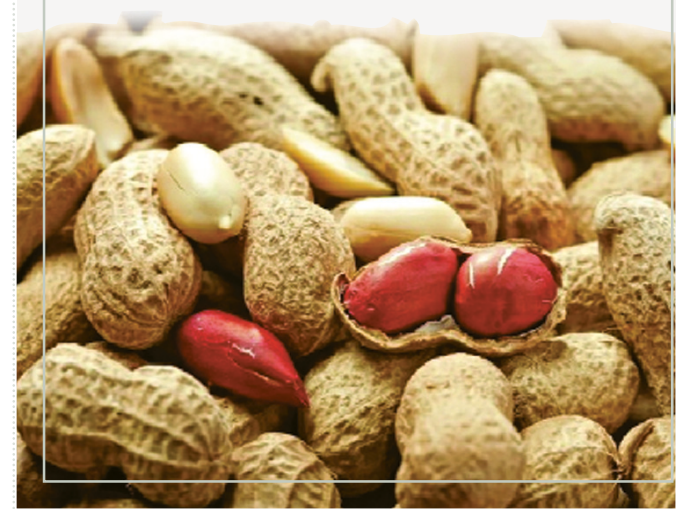

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मानवाधिकार मामले में अमेरिका के साथ नहीं हुई बातचीतः जयशंकर

वाशिंगटन ।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि इस सप्ताह भारत और अमेरिका के बीच हुई टू प्लस टू मंत्रीस्तरीय बैठक के दौरान मानवाधिकार के मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जब भी इस पर चर्चा होगी तो नई दिल्ली बोलने से पीछे नहीं हटेगी। यहां अपनी यात्रा के समापन पर जयशंकर ने कहा` कि इस बैठक में हमने मानवाधिकार के मुद्दे पर चर्चा नहीं की। यह बैठक मुख्य रूप से राजनीतिक-सैन्य मामलों पर केंद्रित थी। विदेश मंत्री जयशंकर यहां वाशिंगटन में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ भारत-अमेरिका टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता में हिस्सा लेने के लिए आए थे।` पिछले` दिनों एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि अमेरिका भारत में हो रहे कुछ हालिया चिंताजनक घटनाक्रम पर नजर बनाए है जिनमें कुछ सरकारी, पुलिस और जेल अधिकारियों की मानवाधिकार उल्लंघन की बढ़ती हुई घटनाएं शामिल हैं। एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि बैठक के दौरान मानवाधिकार के मुद्दे पर बात नहीं हुई लेकिन अतीत में इस पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा यह विषय पहले सामने आया था। यह तब सामने आया था, जब विदेश मंत्री ब्लिंकन भारत आए थे। मुझे लगता है कि अगर आप उसके बाद की प्रेस वार्ता को याद करे तो मैं इस तथ्य को लेकर बेहद मुखर था कि हमने इस मुद्दे पर चर्चा की और मुझे जो कहना था वह कहा।

रूस का सामाना करने अमेरिका ने यूक्रेन को भेजी 80 करोड़ डॉलर की सैन्य सहायता

वॉशिंगटन ।

रूसी सेना के हमलों से यूक्रेन में चारों ओर बर्बादी का मंजर है। दोनों देशों के बीच 50 दिन से जंग जारी है। हमले को लेकर अमेरिका सहित कई पश्चिमी देश रूस का विरोध कर रहे हैं। अमेरिका ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध भी लगाए हैं। साथ ही युद्ध को देखते हुए अमेरिका यक्रेन को मदद भी पहुंचा रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को यूक्रेन के लिए 80 करोड़ डॉलर के नए सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की। इनमें हथियार, गोला-बारूद, बख्तरबंद कर्मियों के वाहक और हेलीकॉप्टर जैसे मदद शामिल हैं। बाइडेन ने कहा, इस नये सहायता पैकेज में कई अत्यधिक प्रभावी हथियार प्रणालियां शामिल होंगी, जो हम पहले ही उपलब्ध करा चुके हैं। इसमें यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में व्यापक रूसी हमले की आशंका को देखते हुए नया सैन्य साजो-सामान भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि संघर्ष जारी रहने की स्थिति में अमेरिका अतिरिक्त हथियारों और संसाधनों को साझा करने के लिए सहयोगियों के साथ काम करना जारी रखेगा। बाइडन ने सहायता आपूर्ति के समन्वय को लेकर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ फोन पर बातचीत की और उसके बाद सहायता का ऐलान किया। अमेरिका से यूक्रेन को मिली इस नई सैन्य मदद में कुछ भारी उपकरण शामिल हैं, जिन्हें वॉशिंगटन ने पहले परमाणु शक्ति संपन्न रूस के साथ संघर्ष को बढ़ाने के डर से कीव को देने से इनकार कर दिया था। इसके साथ ही ब्रिटिश सरकार ने यूक्रेन के दोनेत्स्क और लुसांक के तथाकथित जन गणतंत्रों के शासन प्रमुख और स्वयंभू प्रधानमंत्री सहित अलगाववादियों पर और 178 प्रतिबंध लगाने की बुधवार को घोषणा की। यह कदम गुरुवार को ब्रिटिश संसद में एक पूरक विधान लाने से पहले उठाया गया है। इस कदम के तहत लोहा और इस्पात उत्पादों के आयात और विलासिता की वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

लड़ाई में मारे गए रूसी सैनिकों की लाशें यूक्रेन के बंकरों में सड़ रहीं, एक सैनिक की आंख बाज़ ने नोंची

मॉस्को ।

युद्धग्रस्त देश यूक्रोन में रूस को भारी क्षति उठानी पड़ रही है जंग के 50 दिन हो गए हैं। अभी तक यह लड़ाई किसी भी निर्णायक मुकाम पर नहीं पहुंची है। रूसी सेना को नया कमांडर मिलने के बाद अब पूर्वी यूक्रेन में अधिक भीषण हमलों की आशंका जताई जा रही है। यूक्रेन के कुछ इलाकों से रूसी सेना पीछे हट रही है और यूक्रेनी सैनिक वापस अपनी पोजिशन पर लौट रहे हैं। लड़ाई में मारे गए रूसी सैनिकों की लाशें बंकरों में सड़ रही हैं। एक रिपोर्ट में खार्कीव के बाहर एक भयानक लड़ाई के बाद नरसंहार के भयावह दृश्य के बारे में बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार तीन दिनों की लड़ाई के बाद यूक्रेन ने माला रोहन को अपने कब्जे में ले लिया। यहां डगआउट में पड़ी लाशों को देखा जा सकता है। दर्जनों रूसी सैनिक टी-22 टैंकों में यहां आए और खार्कीव से दो मील की दूरी पर यूक्रेन के दूसरे शहर पर बमबारी की थी। इस जगह से सैनिकों द्वारा छोड़ी गईं शराब की बोतलें मिलीं। करीब एक मील तक लड़ाई के अवशेष बिखरे हुए हैं, जिनमें रूसी वर्दी, खाली रॉकेट ट्यूब और दगे हुए ग्रेनेड शामिल हैं। यूक्रेन के लोगों का कहना है कि इस लड़ाई में कोई भी रूसी जिंदा नहीं बचा और यह मलबा इस बात की तसदीक करता है कि उनकी मौत कैसे हुई। दूसरे बड़े बंकर, जो संभवतः कमांड पोस्ट थे, सैंडबैग की दीवारों से कवर थे। रूसी सैनिकों ने 26 फरवरी को माला रोहन पर कब्जा कर लिया था। वे यहां करीब एक महीने तक रहे और यूक्रेन के कड़े पलटवार के बाद उन्हें पीछे हटना पड़ा। स्थानीय लोगों ने बताया कि रूसी सैनिकों ने पास की एक फर्नीचर फैक्ट्री को लूट लिया था और कालीन से अपने बंकर बनाए थे। लुबोव ने कहा कि सैनिकों ने उनका खाना चुरा लिया और उनके सैकड़ों जानवरों को गोली मार दी।

इमरान ने की अमानत में खयानत, उपहार में मिले हार को 18 करोड़ में बेचा

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान सत्ता से बेदखल होकर बेआबरू तो हुए ही अब उनपर अमानत में खयानत का भी गंभीर आरोप लगा हैं। लेकिन उनकी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। आरोप है कि इमरान खान ने अपने कार्यकाल के दौरान तोहफे में मिले बेशकीमती हार को सरकारी तोशाखाना में जमा करने के बजाय एक आभूषण कारोबारी को बेच दिया था। पाकिस्तान की शीर्ष जांच एजेंसी ने खान के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। आरोपों के मुताबिक खान को हार के बदले 18 करोड़ रुपए मिले थे। खबर के अनुसार उपहार में खान को मिले हार को तोशाखाने में जमा नहीं कराया गया। बल्कि पूर्व विशेष सहायक जुल्फिकार बुखारी को दे दिया गया जिन्होंने उसे लाहौर में एक सर्राफ को 18 करोड़ रुपए में बेच दिया। खबर के अनुसार संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने आरोपों पर खान के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। सरकारी ओहदे पर रहते हुए मिले तोहफों की आधी कीमत चुकाकर उन्हें व्यक्तिगत संपत्ति के रूप में रखा जा सकता है। खबर के मुताबिक इमरान खान ने सरकारी खजाने में कुछ हजार रुपए जमा किए थे। पाकिस्तान के कानून के अनुसार सरकारी ओहदेदारों को मेहमानों से मिले तोहफों को तोशाखाना में जमा कराना होता है। अगर वे उपहार या कम से कम उसकी आधी कीमत जमा नहीं करते तो इसे अवैध माना जाता है। बीते शनिवार को इमरान खान नाटकीय ढंग से सत्ता से बाहर हो गए जब नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग के दौरान उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सांसदों को नेशनल असेंबली से इस्तीफा देने के लिए।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में आंबेडकर जयंती मनाई

काठमांडू। नेपाल की राजधानी में डॉ भीम राव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में भाग लेने वालों ने सामाजिक न्याय एवं समावेशिता में उनके योगदान तथा उनके उल्लेखनीय योगदान को याद किया। नेपाल के प्रथम राष्ट्रपति डॉ रामबरन यादव ने इस अवसर पर एक कार्यक्रम का उदघाटन किया, जिसमें भारत में नेपाल के पूर्व राजदूत लोक राज बराल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बीपी कोइराला इंडिया नेपाल फाउंडेशन और काठमांडू विश्वविद्यालय की संयुक्त पहल पर आंबेडकर की 131वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर काठमांडू विश्वविद्यालय- नेपाल सेंटर फॉर कंटेपररी स्टडीज की भी शुरूआत की गई। उल्लेखनीय है कि आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 के हुआ था। भारत और विश्वभर में 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती मनाई जाती है।

इमरान और सेना के बीच तनाव थाः शेख रशीद

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री शेख रशीद ने स्वीकार किया कि सेना और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बीच तनाव था। इमरान खान के मंत्रिमंडल सहयोगी के रूप में उनके मुखर समर्थक रहे रशीद ने सरकार के अपदस्थ होने के मद्देनजर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और सेना के बीच गलतफहमियों के बारे में भी बात की। सशस्त्र बलों और उसके नेतृत्व के खिलाफ सोशल मीडिया पर एक अभियान काफी सक्रिय रहा और रविवार को संसद में अविश्वास प्रस्ताव की सफलता के बाद विरोध-प्रदर्शन के दौरान सेना के खिलाफ नारेबाजी भी की गई थी। पेशावर में पीटीआई की एक महत्वपूर्ण रैली से पहले रशीद ने कहा कि सेना के खिलाफ कोई नारा नहीं लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीटीआई को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज का अनुसरण करना चाहिए जो सेना की आलोचना करता है लेकिन सत्ता में आने के लिए शांति बनाए रखता है।

वैश्विक समुदाय पर अश्वेत से जुड़े संकट को नजरअंदाज करने का आरोप

लंदन । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख ने केवल यूक्रेन में युद्ध पर अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए वैश्विक समुदाय की खिंचाई की और अश्वेत लोगों से जुड़े संकट को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि उनके गृह देश इथियोपिया सहित अन्य जगहों पर जारी संकट पर समान रूप से ध्यान इसलिए नहीं दिया जा रहा क्योंकि संभवतः जो पीड़ित हैं वे अश्वेत हैं। डब्ल्यूएचओ ने जिनेवा से ऑनलाइन प्रेसवार्ता को में यह सवाल उठाया` कि क्या दुनिया वास्तव में श्वेत और अश्वेत लोगों के जीवन पर समान रूप से ध्यान देती है। उन्होंने इस बात का हवाला दिया कि इथियोपिया, यमन, अफगानिस्तान और सीरिया में जारी संकट को लेकर यूक्रेन युद्ध की तुलना में वैश्विक समुदाय द्वारा बेहद कम ध्यान दिया जा रहा है।

बांग्लादेशी कोर्ट ने 4 आतंकवादियों को सुनाया मौत का फरमान

ढाका । बांग्लादेश की एक स्थानीय कोर्ट ने चरमपंथ के आलोचक रहे एक लेख की हत्या मामलें में 4 आतंकवादियों को मौत का फरमान सुनाया है। 18 साल पहले ढाका विश्वविद्यालय के एक प्रसिद्ध लेखक व साहित्य के प्रोफेसर हुमायूं आजाद की हत्या के मामले में बुधवार को प्रतिबंधित इस्लामी समूह के चार आतंकवादियों को मौत की सजा सुनाई। ढाका के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मोहम्मद अल मामून ने यह फैसला सुनाया। चार में से दो दोषी सजा के वक्त अदालत में मौजूद थे जबकि दो दोषी फरार हैं। अदालत के अधिकारियों ने कहा कि न्यायाधीश ने पुलिस को भगोड़ों का पता लगाने का आदेश दिया। सभी दोषी प्रतिबंधित जमात-उल-मुजाहिदीन (जेएमबी) के सदस्य थे। प्रमुख लेखक व बंगाली साहित्य के प्रोफेसर हुमायूं आजाद को फरवरी 2004 में ढाका विश्वविद्यालय परिसर में उस समय चाकू मार दिया गया था जब वह एक पुस्तक मेले से घर जा रहे थे।

पाक के नए हुक्मरान शाहबाज शरीफ को अमेरिका ने दी बधाई

वॉशिंगटन । पाकिस्तान में क्ता परिवर्तन के बाद नए हुक्मरान शाहबाज शरीफ को अमेरिका बधाई दी और कहा कि वह उनके साथ काम करने को लेकर उत्सुक है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान बीते 75 वर्षों से परस्पर हितों से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में अहम भागीदार रहा है और अमेरिका, पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है। ब्लिंकन ने एक बयान में कहा, 'अमेरिका, पाकिस्तान के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को बधाई देता है। हम पाकिस्तान की सरकार के साथ लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को जारी रखने की उम्मीद करते हैं।' शरीफ के इमरान खान की जगह पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने के कुछ दिनों बाद अमेरिका ने यह बयान जारी किया है। ब्लिंकन ने कहा, 'अमेरिका एक मजबूत, समृद्ध और लोकतांत्रिक पाकिस्तान को दोनों देशों के हितों के लिए जरूरी मानता है।'

न्यूयॉर्क के क्वींस इलाके में सिख समुदाय के दो लोगों पर हमला और लूटपाट

न्यूयार्क । अमेरिका में न्यूयॉर्क के क्वींस इलाके में सिख समुदाय के दो लोगों पर हमला कर उनके साथ लूटपाट की गई। यह क्वींस में दस दिन से भी कम समय में सिख समुदाय के लोगों पर हमले की दूसरी घटना है। अप्रैल की शुरुआत में इसी स्थान पर एक बुजुर्ग सिख पर हमला किया गया था। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने ट्वीट किया, न्यूयॉर्क के रिचमंड हिल्स में सिख समुदाय के दो लोगों पर हमला निंदनीय है।हमने इस मामले में स्थानीय अधिकारियों और न्यूयॉर्क शहर पुलिस विभाग से संपर्क किया है। महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि उसे पता चला है कि घटना के संबंध में शिकायत दर्ज की गई है और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। दूतावास ने कहा कि वह समुदाय के लोगों के संपर्क में है और पीड़ितों को सभी प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है। समुदाय आधारित नागरिक और मानवाधिकार संगठन 'द सिख कोएलिशन' ने कहा कि मंगलवार को क्वींस के रिचमंड हिल में दो सिखों पर हमला कर उनके साथ लूटपाट की गई। यह हमला उस स्थान के पास हुआ, जहां तीन अप्रैल को निर्मल सिंह पर हमला किया गया था। इस हमले पर टिप्पणी करते हुए क्वींस बरो के अध्यक्ष डोनोवन रिचर्ड्स ने कहा कि यह रिचमंड हिल इलाके का एक और मुश्किल दिन है।

कोरोना कहर से चीन बेहाल, 24 घंटे में मिले 26 हजार से ज्यादा केस

बीजिंग ।

इन दिनों ड्रैगन कोविड से बेहाल है तीसरी लहर कोहराम मचाए है। सख्त प्रतिबंधों के बावजूद चीन में कोरोना के रिकॉर्ड मामले सामने आ रहे हैं। बीते 24 घंटे में कोरोना के 26 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। इस बीच, भारत ने शंघाई में अपनी काउंसलर सेवाएं बंद कर दी हैं। चीन प्रशासन ने बुधवार को बताया कि 12 अप्रैल को कोरोना के 25,141 नए मामले सामने आए हैं, जबकि लक्षण वाले 1,189 मामले मिले हैं। कोरोना के बढ़ते केस के बीच जीरो कोविड नीति का बचाव करते हुए चीनी विदेश मंत्री के प्रवक्ता ने कहा, 'ये नीति महामारी विरोधी प्रोटोकॉल विज्ञान और विशेषज्ञों की राय पर आधारित है।' इधर, शंघाई में लॉकडाउन से हालात बिगड़ रहे हैं। शंघाई के चांगझौ, जिआंगसु से कुछ फुटेज सामने आई थीं। जहां पर लोगों की भीड़ की जरूरी चीजों के लिए सुरक्षा व्यवस्था को तोड़ती नजर आ रही है। ट्विटर पर इस भीड़ वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें लिखा है, %चीन का सबसे बड़े और धनी शहर शंघाई में कोविड लॉकडाउन के तहत खाने के लिए दंगा।% कुछ अन्य वीडियो भी शेयर हुए हैं जिनमें मेडिकल सेंटर्स और सुपरमार्केट के आसपास लूट हो रही है। खबरों के मुताबिक, वहां के लोगों का कहना है कि वे लोग दिन में केवल एक बार भोजन करते हैं। शंघाई में महामारी की स्थिति बिगड़ती जा रही है। अधिकारियों का कहना है शहर अनिश्चित काल के लिए बंद रहेगा। जिसका मतलब है वहां के निवासियों को अपने घरों को छोड़ने की अनुमति नहीं है। वहीं, बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि शंघाई में लॉकडाउन के कारण महावाणिज्य दूतावास से संपर्क नहीं हो पा रहा है। महावाणिज्य दूतावास शंघाई में निजी रूप से काउंसलर सेवाएं देने की स्थिति में नहीं है। यूएन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 के चलते पिछले साल 7.7 करोड़ लोग गरीबी के गर्त में चले गए।

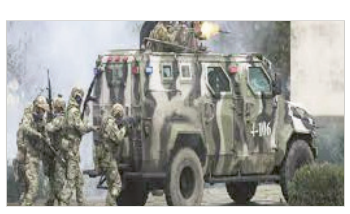

कई विकासशील देश कर्ज पर दिए जाने वाले भारी ब्याज के कारण महामारी के दुष्प्रभावों से उबर नहीं पा रहे हैं। यह संख्या यूक्रेन में जारी युद्ध के असर से पहले की है। रिपोर्ट के मुताबिक, धनी देश महामारी के कारण आई गिरावट से काफी कम ब्याज पर कर्ज लेकर उबर सकते हैं, लेकिन गरीब देशों ने अपना कर्ज चुकाने में अरबों डॉलर खर्च किए और ऊंची ब्याज दर पर मिले ऋण के चलते वे शिक्षा-स्वास्थ्य सुधार, पर्यावरण और असमानता घटाने में ज्यादा खर्च नहीं कर सके।

अमेरिका- न्यूयॉर्क के सब-वे स्टेशन पर गोलीबारी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, 10 लोगों को किया था घायल

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका के व्यस्तमतम शहरों में शुमार न्यूयॉर्क सिटी में ब्रुकलिन सब-वे स्टेशन पर गोलीबारी के आरोपी की पहचान होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। न्यूयॉर्क पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किया गए आरोपी का नाम फ्रैंक जेम्स है। ये एक अश्वेत नागरिक है और उसकी उम्र 62 साल है। इससे पहले अमेरिकी पुलिस की ओर से आरोपी हमलावर का नाम और तस्वीर जारी की गई थी। जेम्स के बारे में कोई भी सूचना देने वाले के लिए 50 हजार डॉलर यानी 38 लाख रुपये का ईनाम रखा गया था। फ्रैंक जेम्स ने न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन मेट्रो स्टेशन पर भीड़ पर अंधाधुन गोलियां चला कर 10 यात्रियों को घायल कर दिया था। पुलिस के अनुसार बताया गया है कि संदिग्ध आरोपी ने मंगलवार सुबह ब्रुकलिन के 36वें स्ट्रीट स्टेशन पर दो स्मोक ग्रेनेड में विस्फोट किया और एक हैंडगन से गोलियां चलाईं। जिसमें 10 लोग गोली लगने की वजह से घायल हुए और गोलीबारी की घटना से हुई भगदड़ से कुल 29 लोग घायल हो गए। गोलीबारी की घटना से हुई भगदड़ से कुल 29 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि न्यूयॉर्क पुलिस को ब्रुकलिन में एक खाली यू-हॉल वैन मिली थी, जिसकी जानकारी और लाइसेंस प्लेट नंबर उस वाहन से मेल खा रहे थे, जिसकी मंगलवार को एक सबवे स्टेशन पर हुई गोलीबारी के संबंध में तलाश हो रही थी। गैस मास्क पहन कर पहुंचे हमलावर ने 12 अप्रैल को ब्रुकलिन में एक सबवे ट्रेन को अपना निशाना बनाते हुए उसमें धुआं छोड़ने के बाद कम से कम 10 लोगों को गोली मार दी थी। अचानक हुई गोलीबारी के बाद पूरे स्टेशन में अफरा-तफरी मच गई। जिससे डर कर लोग अपनी जान बचाने के लिए भागते नजर आए। गोलीबारी के दौरान ट्रेन में धुआं भरा हुआ था। वहीं गोली लगने से लोगों की चीख-पुकार सुनाई दे रही थी। इस गोलीबारी के बाद कम से कम 29 लोगों को गोली लगने, फेफड़ों में धुआं भरने और अन्य दिक्कतों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से पांच की हालत गंभीर बताई गई।

रूस-यूक्रेन मामले पर मौन देशों पर अमेरिकी वित्त मंत्री की तल्ख टिप्पणी, कहा- यह लापरवाह रवैया!

वॉशिंगटन । यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर तटस्थ रवैया अपनाने वाले देशों पर अमेरिकी वित्त सचिव जेनेट येलेन ने तल्ख टिप्पणी की है उन्होंने कहा कि जो रूस के साथ वित्तीय संबंध तोड़ने या यूक्रेन में युद्ध के कारण लगाए गए प्रतिबंधों को कमजोर करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, येलेन ने अटलांटिक काउंसिल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, जबकि कई देशों ने रूस के कार्यों के खिलाफ एक एकीकृत स्टैंड लिया है और कई कंपनियों ने रूस के साथ व्यापार संबंधों को जल्दी और स्वेच्छा से तोड़ दिया है, कुछ देशों और कंपनियों ने मगर ऐसा नहीं किया है। उन्होंने कहा, मैं अब उन देशों से कुछ कहना चाहती हूं जो इस समय बाड़ पर बैठे हैं, शायद रूस के साथ अपने संबंधों को बनाए रखने और दूसरों द्वारा छोड़े गए शून्य को वापस भरने का अवसर देख रहे हैं। इस तरह की प्रेरणा अदूरदर्शी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि येलेन ने किसी विशिष्ट देश का नाम नहीं लिया, लेकिन चीन और भारत सहित कुछ राष्ट्र रूस से पीछे हटने की जल्दी में नहीं हैं, क्योंकि उन्हें बड़ी मात्रा में ऊर्जा आयात करने की जरूरत है। येलेन ने कहा, आइए, स्पष्ट हो जाएं। प्रतिबंध लगाने वाले देशों का एकीकृत गठबंधन उन कार्यों के प्रति उदासीन नहीं रहेगा, जो हमारे द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को कमजोर करते हैं। भारत ने अभी तक रूस का नाम लेकर इस युद्ध की आलोचना नहीं की है। यूएनएससी में वोट के मामले में भारत-रूस की पुरानी दोस्ती की झलक हम देख चुके हैं। भारत के इस रुख से पश्चिमी देश खफा हैं लेकिन मॉस्को खुश है।

यूक्रेन ने रूसी क्षेत्र पर हमला जारी रखा तो उसके सशस्त्र बल कीव सहित निर्णय लेने वाले केंद्रों पर करेंगे हमला

मॉस्को ।

रूस-यूक्रेन के बीच जारी जंग को 50 दिन होने के बाद भी अनिर्णय के स्थिति में है। यूक्रेन में भारी नुकसान के बीच रूस की सेना को भी इसका खमियाजा भुगतना पड़ेगा। रूस ने कहा कि यदि यूक्रेन ने रूसी क्षेत्र पर हमला करना जारी रखा तो रूस यूक्रेन की राजधानी कीव में कमांड सेंटर्स पर हमला करेगा। रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम यूक्रेनी सैनिकों द्वारा रूसी क्षेत्र में तोड़फोड़ और हमले के प्रयासों को देख रहे हैं। अगर ऐसे मामले जारी रहते हैं, तो रूसी सशस्त्र बल कीव सहित निर्णय लेने वाले केंद्रों पर हमला करेंगे। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 फरवरी को यूक्रेन में सेना भेजी थी, तब से लगातार युद्ध जारी है। अब रूस ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन ने दक्षिणी रूसी क्षेत्र पर हमला किया है। राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का कहना है कि यूक्रेन के साथ अब पीस डायलॉग नहीं हो सकता है। इस महीने की शुरुआत में, रूसी सैनिकों ने कीव के उत्तर के क्षेत्रों से वापस खींच लिया था और अब वे पूर्वी यूक्रेन में अधिक क्षेत्र पर कब्जा करने के अपने प्रयासों पर फिर से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की कि उसके सैनिकों के पास मारियुपोल में बंदरगाह का पूरा नियंत्रण है। मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेनी सैनिकों और आज़ोव बटालियन के सदस्यों को घेर लिया गया था और 'भागने के अवसर से वंचित' किया गया था। अज़ोव बटालियन के सदस्य रूस के कब्जे वाले क्रीमिया और यूक्रेन के पूर्व में रूस समर्थक अलगाववादी क्षेत्रों के बीच देश के दक्षिण-पूर्व में स्थित मारियुपोल में रूसियों से जमकर लड़ रहे हैं। राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ हमला जारी रखने की कमस खाई है, क्योंकि कीव ने मॉस्को पर वार्ता तोड़ने का आरोप लगाया था। रूसी हमले झेल रहे यूक्रेन की मदद के लिए अब कई देश खुलकर सामने आने लगे हैं। अभी हाल ही में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कीव का दौरा किया था। अब पोलैंड, लिथुआनिया, लातविया और एस्टोनिया के राष्ट्रपति कीव दौरे पर गए हैं। माना जा रहा है, ये देश यूक्रेन को बड़ी सैन्य व राजनीतिक मदद दे सकते हैं। यक्रेन जंग को लगभग 50 दिन होने को आए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात चुनाव से पहले कांग्रेस में तनाव मुझे परेशान किया जा रहा राहुल गांधी पर भी आरोपः हार्दिक

नई दिल्ली ।

गुजरात में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले कांग्रेस मजबूत होने की बजाय बिखरने की राह पर बढ़ती दिख रही है। पार्टी की स्टेट यूनिट के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस के ही नेता चाहते हैं कि मैं पार्टी छोड़ दूं। हार्दिक पटेल ने आरोप लगाया कि पार्टी का प्रदेश नेतृत्व उन्हें परेशान कर रहा है और राज्य के कांग्रेस नेता चाहते हैं कि मैं पार्टी छोड़ दूं। उन्होंने कहा कि उनकी ओर से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को अपनी इस स्थिति के बारे में कई बार अवगत कराया गया, लेकिन दुख की बात है कि कोई निर्णय नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि पिछले तीन दशक से गुजरात में कांग्रेस की सरकार नहीं बनी तो इसके लिए गुटबाजी और स्थानीय कांग्रेस नेताओं का दूसरे दलों के साथ गुप्त गठबंधन जिम्मेदार है। पटेल ने यह दावा भी किया, %2017 में इतना बड़ा माहौल था, लेकिन गलत टिकट बंटने की वजह से सरकार नहीं बन सकी। हार्दिक पटेल ने गुजरात विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ खुलकर बगावत की है। राज्य में इस साल नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होना है। कांग्रेस 27 वर्षों से गुजरात की सत्ता से बाहर है। पाटीदार आरक्षण आंदोलन का चेहरा रहे पटेल ने कहा, हमने एक बड़ा आंदोलन खड़ा करके कांग्रेस को फायदा दिलाया था। हमें यह लगा था कि जब हमारी ताकत और कांग्रेस की ताकत मिलेगी तो हम प्रदेश को एक नयी स्थिति में लाकर खड़ा करेंगे। लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने ही हमारी ताकत को कमजोर किया। उनका कहना है, मुझे कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया, लेकिन मेरे पास कोई काम नहीं है। मुझे किसी अहम बैठक में नहीं बुलाया जाता, किसी निर्णय में भागीदार नहीं बनाया जाता। सवाल यह है कि कांग्रेस में कार्यकारी अध्यक्ष क्या होता है ।

संक्षिप्त समाचार

प्रशांत किशोर की एंट्री पर गुजरात कांग्रेस में मतभेद

नई दिल्ली । गुजरात चुनाव से पहले चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर कांग्रेस से जुड़ेंगे? ऐसा लगता है कि इसे लेकर राज्य यूनिट में पूरी तरह से भ्रम की स्थिति है। कई नेताओं का कहना है कि पार्टी पहले से ही ग्रामीण इलाकों में मजबूत है और पीके शहरी क्षेत्रों में ज्यादा फर्क नहीं कर सकते, क्योंकि ये पारंपरिक रूप से भाजपा का गढ़ है। पार्टी आलाकमान को संदेश भेजा गया है कि किसी निर्णय पर पहुंचने में और देरी पार्टी की रणनीति को प्रभावित करेगी। किशोर नवंबर 2022 में होने वाले गुजरात चुनाव के बजाय कांग्रेस के साथ 2024 के लोकसभा चुनाव में बड़ा मौका तलाश रहे हैं। वहीं, गुजरात कांग्रेस के एक सीनियर मेंबर ने कहा कि किशोर के पार्टी के लिए काम करने को लेकर दल में 50-50 का विभाजन है। कांग्रेस ने 2017 में भाजपा को कड़ी टक्कर दी और 182 सदस्यीय राज्य विधानसभा में सत्ताधारी दल को दो अंकों तक सीमित कर दिया। हालांकि, पिछले पांच सालों में कांग्रेस के कई विधायकों ने पाला बदल लिया है। गुजरात कांग्रेस के एक नेता ने कहा, ÷किशोर गुजरात में कांग्रेस के लिए ज्यादा फर्क नहीं कर सकते हैं। ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस का गढ़ है और यहां तक कि नेता भी जानते हैं कि शहरी इलाकों में भाजपा को हराना मुश्किल है। तो, क्या फायदा है किशोर को बोर्ड में लाने के लिए इतना पैसा खर्च करने का? इसे प्रचार और अन्य गतिविधियों के लिए उम्मीदवारों को दिया जाना चाहिए। इससे पार्टी को ज्यादा फायदा होगा। पार्टी के कई नेताओं ने जोर देकर कहा कि किशोर पर जल्द से जल्द फैसला लिया जाना चाहिए। पार्टी का एक समूह किशोर के शामिल होने का समर्थन करता है। इसका कहना है कि अगर वह आएंगे तो हम जीतेंगे। इस तरह से पार्टी कार्यकर्ताओं की उम्मीदें बढ़ रही हैं। निर्णय लेने में देरी का मतलब है कि यह उन जमीनी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराएगा, जिनकी उम्मीदें इस तरह की धारणाओं से बढ़ी हैं।

रेत खनन केस में बढ़ीं चरणजीत सिंह चन्नी की मुश्किलें, ईडी ने जालंधर में 6 घंटे तक की पूछताछ

जालंधर ।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की मुश्किलें बढ़ने वाली है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य में एक कथित रेत खनन मामले से जुड़ी धनशोधन जांच के सिलसिले में उनसे छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कांग्रेस नेता जालंधर स्थित प्रवर्तन निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय से बुधवार रात धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज करवा कर बाहर निकले। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की मुश्किलें बढ़ने वाली है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य में एक कथित रेत खनन मामले से जुड़ी धनशोधन जांच के सिलसिले में उनसे छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कांग्रेस नेता जालंधर स्थित प्रवर्तन निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय से बुधवार रात धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज करवा कर बाहर निकले। ईडी ने एक बयान में दावा किया था, इसके अलावा, भूपिंदर सिंह ने स्वीकार किया कि उन्हें रेत खनन कार्यों और अधिकारियों के स्थानांतरण व पदस्थापना में मदद के बदले में जब्त की गई नकदी प्राप्त हुई थी। हनी अपनी गिरफ्तारी से पहले पूछताछ के लिए उनके सामने पेश हुआ था। उसने अपना बयान दिया था, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ हनी ने कहा था कि वह खनन से संबंधित गतिविधियों में शामिल है, संबंधित गतिविधियों में शामिल है, लेकिन कुछ अहम सवालों पर उसने टालमटोल का रुख अपनाया। हनी, कुदरतदीप सिंह और संदीप कुमार प्रोवाइडर्स ओवरसीज कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड नामक एक कंपनी के निदेशक बताए जाते हैं, जिस पर जनवरी में प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा था।

जयशंकर की अमेरिका को दो टूक, दिल्ली भी आपके यहां की चिंता करता

नई दिल्ली । इनदिनों अमेरिकी दबाव के सामने बेफिक्र और अडिग भारत कई विवादास्पद मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रख रहा है। हाल ही में अमेरिका द्वारा उठाए गए भारत में मानवाधिकार के मुद्दे पर भारत ने पलटवार कर वाशिंगटन को ही सुना दिया। दरअसल अमेरिका ने कहा था कि वह भारत में मानवाधिकार के मामलों को लेकर चिंतित है। इसके जवाब में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ शब्दों में कहा कि दिल्ली भी आपके यहां की चिंता करता है। जयशंकर ने कड़ा रुख अपनाकर कहा कि लोग भारत के बारे में विचार रखने के हकदार हैं। उन्होंने कहा, हम भी अमेरिका सहित अन्य लोगों के मानवाधिकारों की स्थिति पर अपने विचार रखते हैं। भारत में मानवाधिकारों की अमेरिकी आलोचना का जवाब देकर जयशंकर ने कहा कि लोगों को भारत के बारे में विचार रखने का अधिकार है। विदेश मंत्री ने कहा कि इस सप्ताह भारत-अमेरिका 2+2 मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान मानवाधिकार का मुद्दा चर्चा का विषय नहीं था। हालांकि, विदेश मंत्री जयशंकर ने जोर देकर कहा कि जब भी कोई चर्चा होगी, नई दिल्ली बोलने में संकोच नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि लॉबी और वोट बैंक इस तरह की आलोचना करते हैं। जयशंकर ने कहा, लोगों को हमारे बारे में विचार रखने का अधिकार है। लेकिन, हम भी उनके नजरिये और हितों के बारे में समान रूप से विचार रखने के हकदार हैं, जिन- हें लॉबी और वोट बैंक से हवा मिलती है।

कोसी एवं गंडक परियोजना संयुक्त समिति की 10वीं बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले

पटना । भारत और नेपाल के बेहतर होते संबंध का असर दिखने लगा है। मानसून से पहले बाढ़ से सुरक्षा और सिंचाई सुविधाओं के संबंध में दोनों देशों ने सहयोग बढ़ाने का फैसला लिया है। पटना में भारत-नेपाल कोसी एवं गंडक परियोजना संयुक्त समिति की 10वीं बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले हुए। समय-समय पर भारत-नेपाल कोसी एवं गंडक परियोजना संयुक्त समिति की बैठक होती रहती है, लेकिन हाल के दिनों में नेपाल से बेहतर हो रहे संबंध के बीच दो दिवसीय 10वीं बैठक पटना में हुई जो बिहार के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण रही है। बैठक में कोसी और गंडक परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर दोनों देशों के बीच विचार-विमर्श हुआ। बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जल संसाधन विभाग, बिहार सरकार के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने किया। जबकि नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जल संसाधन एवं सिंचाई विभाग के डायरेक्टर जनरल सुशील चंद्र आचार्य ने किया। बैठक के बाद जल संसाधन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि भारत-नेपाल कोसी एवं गंडक परियोजना संयुक्त समिति की बैठक में कोसी और गंडक परियोजनाओं से संबंधित सभी मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की गई।

पाक के पुराने प्रधानमंत्रियों जैसा ही होगा इमरान खान का हाल

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पाकिस्तान की सत्ता से हटाए जाने के बाद से शहबाज सरकार उनके खिलाफ एक के बाद जांच के आदेश दे रही है। खबर यहां तक हैं कि इमरान खान पर देशद्रोह के भी केस लग सकते हैं और जेल भी जाना पड़ा सकता है। वैसे पाकिस्तान में प्रधानमंत्रियों का जेल जाना कोई नई बात नहीं है और इस लिस्ट में इमरान खान का नाम भी जुड़ सकता है। पाकिस्तान की शीर्ष जांच एजेंसी ने इमरान खान को उनके कार्यकाल के दौरान तोहफे में मिले बेशकीमती हार को सरकारी तोशाखाना में जमा करने के बजाय एक आभूषण कारोबारी को 18 करोड़ रुपये में बेचे जाने के आरोपों पर जांच शुरू कर दी है। पाकिस्तान के संविधान के साथ खिलवाड़ करने के आरोप में इमरान खान के खिलाफ देशद्रोह का संभावित मामला दर्ज हो सकता है। इमरान पर आरोप है कि उन्होंने अपनी कुर्सी बचाने के लिए के संविधान के प्रावधानों के साथ खिलवाड़ कर उन्हें अपने विरोधियों के खिलाफ इस्तेमाल किया था। संविधान के प्रावधानों का हवाला देते हुए विभिन्न अदालतों के समक्ष याचिकाएं दायर की गई हैं। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान खान ने सत्ता में अपने आखिरी दिनों के दौरान संविधान के प्रावधानों का अपने विरोधियों के खिलाफ इस्तेमाल करने की कोशिश की, इसलिए उन्हें देशद्रोह के नए आरोपों और संभावित मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है।

पाकिस्तान के संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार के रुप में श्री शरीफ को नेशनल असेंबली में 174 वोट मिले और इस तरह से वह देश के 23वें प्रधानमंत्री के पद पर आसीन हुए। अगर शहबाज शरीफ सरकार इमरान खान को जेल भेजती है वो ऐसे पहले पूर्व प्रधानमंत्री नहीं होंगे जिन्हें जेल होगी। इससे पहले खुद वर्तमान पीएम शहबाज शरीफ के बड़े भाई व पूर्व पाक पीएम नवाज शरीफ भी जेल जा चुके हैं। नवाज शरीफ की जेल की सजा तो अभी भी जारी है।

नवाज शरीफ से पहले पाक के पीएम और राष्ट्रपति भी जेल जा चुके हैं। इस लिस्ट में जुल्फिकार अली भुट्टो (पीएम), परवेज मुशर्रफ (राष्ट्रपति), यूसुफ रजा गिलानी (पीएम) और आसिफ अली जरदारी (राष्ट्रपति) का नाम भी शामिल है।

वाराणसी में साड़ी कारखाने में लगी भीषण आग बिहार के बाप-बेटे समेत 4 लोगों की मौत

वाराणसी । वाराणसी में गुरुवार को भीषण विस्फोट से चार लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में पिता-पुत्र शामिल हैं। दोनों बिहार के अररिया के रहने वाले थे। सीएम योगी ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवार को चार-चार लाख सहायता राशि देने की घोषणा की है। घटना भेलूपुर थाना क्षेत्र के कमच्छा के अशफाक नगर में घनी आबादी के बीच स्थित एक मकान के कमरे में शॉर्ट सर्किट से हुई। बंद कमरे में चारों जिंदा ही झुलसकर मर गए। पिता आरिफ अहमद और पुत्र मोहम्मद शाबान साड़ी की पैकेजिंग का काम करते थे। यहां किराए का कमरा लेकर साड़ियों की पैकेजिंग करते थे। गुरुवार दोपहर भी साड़ी की पैकेजिंग कर रहे थे। कमरे में दो दरवाजे थे दोनों दरवाजे बंद थे। एक दरवाजे के पास शार्ट सर्किट से आग लगी। आग साड़ियों के गट्ठर तक जा पहुंची और कुछ ही मिनटों में आग धधक उठी। दूसरा दरवाजा भी खोलने का मौका नहीं मिला। चीख-पुकार सुनकर जब तक लोग पहुंचते तब तक चारों की मौत हो गई थी।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का ग्रैंड वेडिंग रिसेप्शन वास्तु में होगा

मुंबई । अभिनेता रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी का खूबसूरत दिन आखिर आ ही गया है। रणबीर और आलिया गुरुवार को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। 14 अप्रैल का दिन रणबीर और आलिया की ड्रीम वेडिंग का दिन होगा। शादी के बाद कपल का ग्रैंड वेडिंग रिसेप्शन होने वाला है। लेकिन रिसेप्शन वेन्यू को लेकर अब एक नई अपडेट सामने आई है। पहले खबरें थीं कि रणबीर और आलिया का ग्रैंड वेडिंग रिसेप्शन ताज महल पैलेस यानी ताज कोलाबा में होगा। लेकिन अब नई रिपोर्ट्स के अनुसार रिसेप्शन वेन्यू को अब बदल दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर और आलिया का रिसेप्शन अब ताज कोलाबा में नहीं, बल्कि वास्तु में ही होगा, जहां कपल सात फेरे लेकर हमेशा के लिए एक होने की कसमे खाएंगे। रिसेप्शन 16 अप्रैल को होने वाला है। बता दें कि सिक्यॉरिटी को ध्यान में रखकर फैमिली ने वास्तु में ही रिसेप्सशन पार्टी होस्ट करने का फैसला लिया है। आलिया और रणबीर के रिसेप्शन में बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियों के शिरकत करने की खबरें हैं। रिसेप्शन के लिए मेहमानों को पहले ही इनविटेशन भेजे जा चुके हैं। करण जौहर, अयान मुखर्जी रणबीर-आलिया के मेहंदी फंक्शन में भी खास गेस्ट थे। इन दो लोगों का आना बनता ही है। इनके अलावा लव बर्ड्स के रिसेप्शन में कौन शिरकत करता है भी जल्द पता चल जाएगा।सूत्रों ने बताया कि कपल की शादी का मुहूर्त 2-3 बजे के बीच है। इसी दौरान दोनों सात फेरे लेकर पति-पत्नी बन जाएंगे। शादी से पहले आज कपल की हल्दी होगी और 11 बजे से बाकी रस्में शुरू हो जाएंगी और इसके बाद दोपहर में शादी होगी।

अजान की आवाज यूपी के डेप्युटी सीएम ने क्या किया कि होने लगी तारीफ

नई दिल्ली ।

एक तरफ जब देश में लाउडस्पीकर से अजान को लेकर विवाद हो रहा है। महाराष्ट्र से यूपी तक इस पर राजनीति हो रही है। इस बीच यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का एक वीडियो वायरल हो रहा है और लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। दरअसल, पाठक ने अजान की आवाज आने पर अपना भाषण बीच में ही रोक दिया। दरअसल, बुधवार को ब्रजेश पाठक राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती को लेकर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे। वह कार्यकर्ताओं के बीच मंच से भाषण दे रहे थे। इस बीच अचानक अजान की आवाज आने लगती है। अजान सुनते ही ब्रजेश पाठक ने अपना भाषण बीच में ही रोक दिया। वह चुपचाप खड़े हो गए।

अजान समाप्त होने के बाद ही उन्होंने अपनी बात पूरी की। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। यह वीडियो ऐसे समय पर सामने आया है जब देश के कई हिस्सों में लाउडस्पीकर से अजान का विरोध चल रहा है। अजान के समय लाउडस्पीकर से हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है। आज ही बनारस से भी ऐसी तस्वीरें आई हैं।

बिहार में भी बदलेगा कांग्रेस का कप्तान मदन मोहनझा से लिया इस्तीफा

नई दिल्ली ।

बिहार में कांग्रेस को लगातार मिल रही हार और चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से मदन मोहन झा ने इस्तीफा दे दिया है। इसे लेकर कल से ही अटकलें लगाई जा रही थीं। अब गुरुवार को उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि उनका यह इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया गया है। मदन मोहन झा इस समय दिल्ली में हैं। उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात की। बिहार में कांग्रेस की खराब होती स्थिति के लिए उन्हें सीधे तौर पर जिम्मेदार माना जा रहा था। लगभग चार साल बाद झा से प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी वापस ली गई है। पार्टी के कद्दावर नेता और विधान परिषद सदस्य प्रेम चंद मिश्रा ने मदन मोहन झा के इस्तीफे की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि झा ने अपना इस्तीफा सौंप दिया हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। वहीं पार्टी के एक नेता का कहना है कि पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जा रहा था और उनपर इस्तीफा देने का दबाव था। बिहार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की कमी, चुनाव में लगातार मिल रही हार और निचले स्तर पर कई बड़ी अनियमितताओं की वजह से पार्टी का स्तर कमजोर हो रहा था। इस वजह से मदन मोहन झा की कार्यशैली और भूमिका पर सवाल उठ रहे थे। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद से ही मदन मोहन झा पर इस्तीफा देने का दबाव बना हुआ था। विधानसभा में पार्टी को 19 सीटों पर जीत मिली थी। वहीं हाल ही में विधान परिषद में पार्टी को केवल एक सीट पर जीत मिली थी।

राज ठाकरे वहीं भाषा बोलते हैं, जोकि भाजपा उन्हें बोलने को कहती हैंः पवार

मुंबई ।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने आरोप लगाया कि राज ठाकरे भारतीय जनता पार्टी की बोल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख ने समान नागरिक संहिता की हिमायत कर देश में जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण की जरूरत पर जोर दिया था। मस्जिदों से तीन मई तक लाउडस्पीकर हटाने के राज्य सरकार को राज ठाकरे के अल्टीमेटम के बारे में पूछने पर पवार ने कहा, सरकार इस बारे में गंभीरता से विचार करेगी, हालांकि उन्होंने विस्तार से कुछ नहीं कहा। उन्होंने राज ठाकरे के आरोप को भी खारिज कर दिया कि वह (पवार) एक नास्तिक हैं। राकांपा प्रमुख ने कहा, मैं मंदिर जाता हूं, लेकिन दिखावा करने में यकीन नहीं करता।''पवार ने कहा कि उनके आदर्शों में प्रबोधनकर ठाकरे (राज ठाकरे के दादा) भी शामिल हैं, जिन्होंने भगवान और धर्म के नाम पर अपना फायदा पहुंचाने की कोशिश करने वाले लोगों का विरोध किया था। उन्होंने मनसे प्रमुख पर निशाना साधकर कहा, उन्होंने (प्रबोधनकर ने) असम्मान (ईश्वर और धर्म का) नहीं किया, लेकिन उन्होंने इसका नाजायज फायदा उठाने वालों की आलोचना की। हम लोग प्रबोधनकर की रचनाएं पढ़ते हैं लेकिन उनके परिवार के कुछ लोग शायद इसे नहीं पढ़ते होंगे। पवार ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में सामाजिक एकता में विघ्न डालने की कोशिश की जा रही है और राज्य में सांप्रदायिक विचारधारा को बढ़ावा दिया जा रहा है। दरअसल राज ठाकरे ने मनसे की रैली को संबोधित कर कहा था कि यदि शिवसेना नीत राज्य सरकार ने अधिक ध्वनि वाले लाउडस्पीकर तीन मई से पहले मस्जिदों से नहीं हटाए, तब मनसे कार्यकर्ता मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा बजाएंगे। पवार ने कहा, यह जाहिर है कि हम उनके (राज ठाकरे के) भाषण में वहीं सुनते हैं, जो भाजपा उन्हें बोलने को कहती है। उन्होंने कहा कि मनसे प्रमुख ने भाजपा के खिलाफ एक शब्द तक नहीं बोला, लेकिन राकांपा पर निशाना साधा। पवार ने कहा, उन्होंने (राज ठाकरे ने) वह जिम्मेदारी निभाने की कोशिश की है जो भाजपा ने उन्हें दी होगी। राज ठाकरे ने अपने भाषण में समान नागरिक संहिता की हिमायत की और देश में जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने की जरूरत पर जोर दिया था।

पवार ने राज ठाकरे के इस दावे को ''बचकाना करार दिया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के परिवार के सदस्यों के परिसरों में छापा मारा, लेकिन (बारामती से सांसद) सुप्रिया सुले के यहां नहीं। अजित पवार, राकांपा प्रमुख के भतीजे हैं। राकांपा प्रमुख ने कहा, यदि अजित पवार के परिवार में कुछ होता है, तब इसका मतलब है कि यह मेरे साथ हुआ। क्या आपको लगता है कि मैं और अजित पवार अलग हैं? क्या अजित और सुप्रिया चचेरे भाई-बहन नहीं हैं पवार ने तंज करते हुए कहा कि वह मनसे प्रमुख और भाजपा के बीच सांठगांठ की प्रकृति के बारे में नहीं जानते हैं।

करोडों की कर चोरी करने वाले गुप्ता बंधुओं का रहन सहन बेहद साधारण

लखनऊ । तीन महीने बाद फिर कानपुर सुर्खियों में है। हमीरपुर के तंबाकू कारोबारियों की काली कमाई के सीधे संबंध कानपुर से मिले हैं। बिरहाना रोड और नयागंज में छापों के बाद करोड़ों के कैश कारोबार का भंडाफोड़ सेंट्रल जीएसटी कानपुर की टीम ने किया है। इसी के साथ कई और हैरतअंगेज खुलासे हुए। पीयूष जैन की तरह ही जगतबाबू और प्रदीप गुप्ता का रहन-सहन भी बेहद साधारण है। पीयूष की तरह ही गुप्ता बंधुओं ने भी अपनी काली कमाई का ठिकाना अपना बेडरूम बना रखा था। वे 20 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार के बावजूद जीएसटी में रिटर्न महज 10 से 15 हजार रुपये दिखाते थे। करोड़ों की गड्डियों को बिस्तर में बिछाकर सोने वाले गुप्ता बंधुओं का रहन सहन बेहद साधारण है। सूत्रों के मुताबिक निम्न मध्यवर्ग परिवार की तरह रहने वाले कारोबारियों के पास से करोड़ों कैश मिलते ही हैरान रह गए। घर में कुल चार कमरे हैं। दोनों भाइयों के दो कमरे हैं। इसके अलावा दो छोटे कमरे अलग से हैं। कोई देखकर अंदाजा नहीं लगा सकता कि दोनों भाई करोड़ों में खेलते हैं। जांच में खुलासा हुआ कि 95 फीसदी कारोबार कच्चे यानी कैश में था। दो से तीन ट्रक माल रोजाना फैक्टरी से निकलता था। एक दिन में कम से कम 6 से 8 लाख का कारोबार था। यानी साल में न्यूनतम 20 करोड़ का माल गुप्ता बंधु बेच रहे थे। लेकिन जीएसटी रिटर्न केवल 5 हजार से 20 हजार रुपये के बीच दिखाया जा रहा था। इतने कम रिटर्न से ही सीजीएसटी अफसरों को शक हुआ। इसके बाद असली कारोबार का खुलासा हुआ। कैश लेनदेन होने की वजह से बैंकों से ट्रांजेक्शन कम थे। अभी तक चार बैंक खाते मिले हैं। जिनके आधार पर पाया गया है कि कारोबारी बंधु अपना इनकम टैक्स रिटर्न भी लगभग दस लाख रुपये का ही भरते थे। तंबाकू का ब्रांड सीएम के नाम से निकाला जाता था और इसके लिंक कानपुर के बिरहाना रोड व नयागंज से पाए गए। सेल प्रोसीड की जांच में पाया गया है कमाई का दायरा बढ़ सकता है।

कैमिकल फैक्ट्री में आग लगने से मृतक 6 मजदूरों को 25-25 लाख का मुआवजा

पटना । आंध्र प्रदेश के एलुरु में कैमिकल फैक्ट्री में धमाके के साथ आग लगने से 6 मजदूरों की मौत हो गई। हादसे में मारे गए मजदूरों में 4 बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले थे। फैक्ट्री में आग लगने की घटना में 13 अन्य लोग घायल भी हुए हैं। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। इस बीच, आंध्रप्रदेश सरकार ने हादसे को देखकर बड़ी घोषणा की है। आंध्र सरकार ने हादसे में मारे गए मजदूरों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया है। इसके अलावा फैक्ट्री में आग लगने की घटना में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को 5-5 लाख और मामूली तौर पर घायल मजदूरों को 2-2 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया है। एलुरु के एसपी राहुल देव शर्मा ने बताया कि एलुरु के अक्किरेड्डीगुडम स्थित केमिकल फैक्ट्री में आग लगने से 6 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा कई अन्य लोग घायल भी हुए हैं। उन्होंने बताया कि केमिकल फैक्ट्री में बुधवार रात को नाइट्रिक एसिड और मोनामिथाइल का रिसाव हो गया था, जिसकी वजह से आग लग गई। बताया जाता है कि घटना के वक्त फैक्ट्री में कई मजदूर काम कर रहे थे। धमाका होने से मौक पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया था। आग लगने से वहां कार्यरत लोग इधर से उधर भागने लगे। कई लोग आग की चपेट में आ गए थे। हादसे के कारण फैक्ट्री में चीख-पुकार मच गई थी। शुरुआत में एलुरु केमिकल फैक्ट्री हादसे में 12 लोगों के घायल होने की बात सामने आई थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

SDOभवन एवं भंडार को सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने जड़ा 25 हज़ार का जुर्माना

धारा 19(8)(बी) की शक्तिका प्रयोग कर आयुक्तने अपीलार्थी को दिलवाया 2 हज़ार का जुर्माना

प्रमुख अभियंता जल संसाधन तुलसी नगर भोपाल को कार्यवाही के दिये आदेश।।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

रीवा, मध्य प्रदेश : सूचना के अधिकार कानून के उल्लंघन पर मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त के द्वारा एक बार पुनः बड़ी कार्यवाही की गई है। आवेदक राजेश प्रसाद तिवारी के आरटीआई आवेदन दिनांक 17 जुलाई 2019 पर समय सीमा पर जानकारी न देने पर सूचना आयुक्त राहुल सिंह के द्वारा यह कार्यवाही की गई है।

एसडीओ भवन एवं भंडार पर लगाया 25 हज़ार जा जुर्माना

जानकारी के अनुसार अपीलार्थी राजेश प्रसाद तिवारी ने आर टी आई लगाई थी,

जिसमे उन्होंने जल उपभोक्त संस्था कटकी जिला रीवा की कार्यवाही पंजी, केशबूक एवं माप पुस्तिका की नकल दिनांक 01/01/2017 से 30/06/2019 तक चाही थी लेकिन यह जानकारी आवेदक को नहीं दी गई इसके बाद आवेदक प्रथम अपील और फिर द्वितीय अपील सूचना आयोग में किया।

अपील की अंतिम सुनवाई के दौरान 25/02/2022 को सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने गुणदोष के आधार पर कार्यवाही करते हुए तत्कालीन लोक सूचना अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी भवन एवं भंडार उप संभाग रीवा मध्य प्रदेश जो की सेवानिवृत्त है के विरुद्ध ? 250 प्रतिदिन के हिसाब से अधिकतम ?25000 का जुर्माना ठोका है।

आवेदक को 2 हज़ार रुहर्जाने का भी दिया आदेश

मामले की सुनवाई करते हुए सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने देखा कि आवेदक राजेश प्रसाद तिवारी के द्वारा पूरे प्रकरण में वर्ष 2019 से लेकर 2022 तक पूरे ३ साल के भीतर अपना काफी समय और धन खर्च किया गया। जिसको ध्यान में रखते हुए सूचना आयुक्त ने धारा 19(8)(बी) की शक्तियों का प्रयोग करते हुए मदन सिंह डावर प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग तुलसी नगर भोपाल को आदेशित किया कि वह आवेदक को 2 हज़ार रुका हर्जाना दिलवाते हुए की गई कार्यवाही की जानकारी 11/05/2022 तक आयोग के समक्ष सुनिश्चित करें।

ज्ञातव्य है की बहुत ही कम ऐसे मामले होते हैं जिसमें धारा 19(8)(बी) की शक्तियों का प्रयोग करते हुए आवेदक को हर्जाना दिलाए जाने के प्रयास किए जाते हैं। इसके पहले भी सूचना आयुक्त राहुल सिंह के द्वारा आवेदकों को हर्जाने दिलवाए गए हैं। तत्कालीन लोक सूचना अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी भवन एवं भंडार उप संभाग रीवा जो कि इस समय सेवानिवृत्त है को मध्य प्रदेश सूचना का अधिकार अपील अधिनियम के तहत राजेश प्रसाद तिवारी को डीडी के माध्यम से आयोग के समक्ष 25 हज़ार रु जमा करने के आदेश दिए गए हैं।